घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 180- शनिवार 02 - मई 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दी...

नई दिल्ली,01 मई 2026। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने शुक्रवार को उनको असम पुलिस द्वारा दर्ज मानहानि और जालसाजी के मामले में अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और एएस चंदुरकर की पीठ ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के अग्रिम जमानत याचिका खारिज करने के आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मामले की परिस्थितियां राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का संकेत देती हैं, जो खेड़ा परिवार की व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा को अनिवार्य बनाती है। गुरुवार को सुनवाई के दौरान खेड़ा ने कोर्ट को बताया था कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां पर लगाए गए आरोपों के मामले में उनको गिरफ्तार करने की आवश्यकता नहीं है, उनको परेशान किया जा रहा है। असम पुलिस ने तर्क दिया कि खेड़ा ने मुख्यमंत्री के खिलाफ झूठे दावे करने के लिए पासपोर्ट सहित जाली दस्तावेज दिखाए थे और हिरासत से पता चलेगा कि उसके सहयोगी कौन थे और क्या इसमें विदेशी तत्व शामिल थे। असम में चुनाव से 2 दिन पहले कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि मुख्यमंत्री सरमा की पत्नी रिनिकी के पास 3 मुस्लिम देशों के पासपोर्ट हैं। उन्होंने सरमा परिवार के पास दुबई में संपत्ति और अमेरिका में 52,000 करोड़ रुपये की कंपनी का दावा किया। खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका गुवाहाटी हाई कोर्ट से रद्द हो चुकी है।

महाराष्ट्र देश का ग्रोथ इंजन बन चुका है : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई,01 मई 2026। महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर पूरे राज्य में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हुतात्मा स्मारक पर पहुंचकर संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन में बलिदान देने वाले वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने लोक भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर समारोह का शुभारंभ किया। मुंबई में हुए मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री फडणवीस ने महाराष्ट्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक यात्रा को याद करते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित 'महाराष्ट्र धर्म' ने राज्य को मजबूत पहचान दी है। उन्होंने कहा कि आज महाराष्ट्र देश का 'पावर इंजन और ग्रोथ इंजन' बन चुका है और निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन (1956-1960) को याद करते हुए कहा कि यह मराठी भाषी जनता के लिए मुंबई सहित एकीकृत राज्य के निर्माण का ऐतिहासिक संघर्ष था,जिसने आधुनिक महाराष्ट्र की नींव रखी। मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को महाराष्ट्र दिवस और श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य की प्रगति श्रमिकों की मेहनत का परिणाम है। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने लोक भवन में ध्वजारोहण कर राष्ट्रगीत,राष्ट्रगान और राज्य गीत की गूंज के बीच समारोह को गरिमामय बनाया।

राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत, 'इंडियन स्टेट से लड़ाई' वाले बयान को लेकर दाखिल याचिका की खारिज

प्रयागराज,01 मई 2026 । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंडियन स्टेट से लड़ने संबंधी बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने की मांग में दायर सिमरन गुप्ता की याचिका खारिज कर दी है। याची ने संभल जिले की चंदौसी कोर्ट के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान ने पूर्व में आदेश सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने याचिका में मेरिट की कमी पाई है। याची ने राहुल गांधी के खिलाफ उस बयान पर केस दर्ज किए जाने की मांग की थी जो पिछले वर्ष कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' के उद्घाटन के दौरान दिया गया था। राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस के साथ-साथ 'इंडियन स्टेट' से लड़ने की बात कही थी। चंदौसी की कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ दायर मामले को कमजोर बताते हुए खारिज कर दिया था। 15 जनवरी 2025 को दिल्ली में कांग्रेस के नए मुख्यालय 'इंदिरा भवन' के उद्घाटन मौके पर राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और संवैधानिक संस्थाओं पर तीखा प्रहार किया था।

पश्चिम बंगाल में डायमंड हार्बर और मगराहट पश्चिम के 15 बूथों पर पुनर्मतदान आज...

कोलकाता,01 मई 2026। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदान के दौरान मिली गड़बड़ियों की शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए निर्वाचन आयोग ने दो विधानसभा क्षेत्र के 15 बूथों पर पुनर्मतदान का फैसला लिया है। पुनर्मतदान के तहत मगराहट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 11 बूथों और डायमंड हार्बर के 4 बूथ शामिल हैं। यह पुनर्मतदान 2 मई को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक पुनर्मतदान कराया जाएगा। आयोग ने यह निर्णय 29 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान मिली शिकायतों और रिपोर्टों की समीक्षा के बाद लिया। रिटर्निंग अधिकारियों, पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट, वीडियो फुटेज

और जमीनी हालात के आधार पर जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 58(2) के तहत मतदान रद्द किया गया। सूत्रों के मुताबिक, मतदान के दिन ईवीएम खराबी, बूथ कैप्चरिंग और हिंसा जैसी घटनाओं की शिकायतें सामने आई थीं। निर्देश के अनुसार, पुनर्मतदान वाले सभी बूथों पर केंद्रीय सुरक्षा बलों की कड़ी तैनाती की जाएगी। इसके साथ ही वेबकास्टिंग और माइक्रो ऑब्जर्वरों की निगरानी में मतदान प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी को सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग ने यह भी कहा है कि जिन क्षेत्रों में पुनर्मतदान होना है, वहां मुनादी और अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार किया जाए और सभी उम्मीदवारों को लिखित सूचना दी जाए, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे। पुनर्मतदान के तहत मगराहट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 11 बूथों और डायमंड हार्बर के 4 बूथ शामिल हैं। मगराहट पश्चिम के जिन बूथों पर मतदान होगा,उनमें उत्तर इयरपुर एफपी स्कूल,नजरापुर स्कूल,देवहाट एफपी स्कूल,घोला नयापाड़ा गर्ल्स हाई मदरसा,एकतारा मल्लिक फ्री प्राइमरी स्कूल और बहिरपुर कुरकुरिया फ्री प्राइमरी स्कूल के विभिन्न कक्ष शामिल हैं। वहीं डायमंड हार्बर में बागड़ा जूनियर हाई स्कूल, चांदना फ्री प्राइमरी स्कूल, हरिदेवपुर फ्री प्राइमरी स्कूल और रायनगर हैप्पी स्कूल के बूथों पर पुनर्मतदान कराया जाएगा। इस बीच फलता विधानसभा क्षेत्र के कुछ बूथों पर भी पुनर्मतदान की मांग उठी है। चुनाव आयोग ने कहा है कि यह मामला अभी विचाराधीन है और रिपोर्ट की समीक्षा के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

टीएमसी केंद्रीय कर्मचारियों को मतगणना पर्यवेक्षक नियुक्त करने के खिलाफ पहुंची सुप्रीम कोर्ट

पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनावों की मतगणना 4 मई को होगी। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने विधानसभा चुनाव में मतगणना पर्यवेक्षकों के रूप में केवल केंद्र सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारियों की नियुक्ति के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। टीएमसी ने 4 मई को होने वाली मतगणना का हवाला देते हुए याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की है। आइए जानते हैं याचिका में क्या कहा गया है। टीएमसी ने याचिका दायर कर मतगणना पर्यवेक्षकों के रूप में की जा रही नियुक्ति में पश्चिम बंगाल राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी शामिल करने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि चुनाव आयोग ने इस प्रक्रिया में केवल केंद्रीय कर्मचारियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारियों की ही नियुक्ति करने का निर्णय कर भेदभाव करने का काम किया है। ऐसे में मतगणना तारीख की नजदीकी को देखते हुए इस याचिका पर तत्काल सुनवाई की जानी चाहिए। इससे पहले टीएमसी ने मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया था, लेकिन गुरुवार को हाई कोर्ट ने उसकी याचिका को खारिज कर दिया। टीएमसी की याचिका के खिलाफ आयोग ने तर्क दिया था कि यह निर्देश मतगणना प्रक्रिया की निष्पक्षता के बारे में आशंकाओं के आधार पर जारी किया गया था और इसी तरह के निर्देश केरल जैसे अन्य राज्यों में भी लागू किए गए हैं। उसके बाद हाई कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रत्येक मतगणना केंद्र पर कम से कम एक व्यक्ति, विशेष रूप से मतगणना पर्यवेक्षक केंद्र सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का अधिकारी की ही नियुक्ति करने के आदेश दिए थे।

हैदराबाद में आउटर रिंग रोड पर खड़े ट्रक से टकराई कार,एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

हैदराबाद,01 मई 2026। नगर में शमशाबाद के पास आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में पीछे से कार ने टक्कर मार दी। शुक्रवार की शाम को हुई दुर्घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। मृतकों में दो महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। जानकारी के अनुसार मूल रूप से राजन्ना सिरसिला जिले के रहने वाले बोल्ली शिवकुमार कार से अपनी पत्नी व बच्चों के साथ यादगिरिगुट्टा से दर्शन कर वापस लौट रहे थे। तभी ओआरआर एग्जिट गेट नंबर 16 के पास उनकी वैगनआर कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि वह ट्रक के पिछले हिस्से में बुरी तरह धंस गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया औरफंसी कार को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। कार में सात लोग सवार थे। जिनमें छह लोगों की मौके पर मौत हो गई। मृतकों की पहचान मूल रूप से राजन्ना सिरसिला जिले के रहने वाले और वर्तमान में हैदराबाद के सनतनगर बोल्ली शिव कुमार (37) के रूप में हुई। शिव कुमार ही कार चला रहे थे। उनके अलावा उनकी पत्नी बोल्ली लास्या के अलावा बोल्ली ऋषिता, कोडम श्रीनिवास और दो बच्चे,जिनके नाम कृष्णा चंद्रा और कोडेम माधव की भी मौत हुई है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 993 रुपए महंगा,दिल्ली में 3000 के पार

नई दिल्ली,01 मई 2026। मई महीने की शुरुआत के साथ ही व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर (19 किलोग्राम) की कीमतों में उपभोक्ताओं को बड़ा झटका लगा है। 1 मई से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 993 रुपए महंगा हो गया है, जिससे दिल्ली में इसकी कीमत 3,071.50 रुपए और मुंबई में 3,024 रुपये हो गई है। इस बड़ी बढ़ोतरी का सीधा असर कारोबारियों की लागत पर पड़ेगा। यह बढ़ोतरी अंतरराष्ट्रीय बाजार में जारी अस्थिरता के बीच हुई है और ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह लगातार तीसरी बार है जब कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए हैं। मार्च में 144 रुपए और अप्रैल में लगभग 200 रुपए की बढ़ोतरी के बाद, यह अब तक की सबसे बड़ी मासिक वृद्धि है। राहत की बात यह है कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस मूल्य वृद्धि का सबसे अधिक असर होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे और कैटरिंग जैसे व्यवसायों पर पड़ेगा, जिनकी

परिचालन लागत में सीधा इजाफा होगा। ऐसी आशंका है कि कारोबारी बढ़ी हुई लागत का बोझ अंततः उपभोक्ताओं पर डाल सकते हैं, जिससे बाहर खाना, स्नैक्स और फूड डिलीवरी जैसी सेवाएं महंगी हो सकती हैं।

गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने पर राहुल गांधी का निशाना,बोले...अब पेट्रोल-डीजल पर अगला वार

चुनाव खत्म होते ही कामर्शियल गैस के सिलेंडर के दाम एकदम से 993 रुपये बढ़ने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने पहले ही बताया था कि चुनाव के बाद महंगाई बढ़ेगी और आज कामर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए गए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल ने कहा कि यह एक ही दिन में सबसे बड़ी बढ़ोतरी है और अब अगला वार पेट्रोल-डीजल पर होगा। राहुल ने एक्स पर लिखा, कह दिया था- चुनाव के बाद महंगाई की गर्मी आएगी। आज कामर्शियल गैस सिलेंडर 993 रुपये महंगा। एक ही दिन में सबसे बड़ी बढ़ोतरी। यह चुनावी बिल है। फरवरी से अब तक- 1,380 रुपये की बढ़ोतरी- सिर्फ 3 महीनों में 81 प्रतिशत का इजाफा। चायवाला, ढाबा, होटल, बेकरी, हलवाई- हर किसी की रसोई पर बोझ बढ़ा। और इसका असर आपकी थाली पर भी पड़ेगा। पहला वार गैस पर, अगला वार पेट्रोल-डीज़ल पर। नई कीमतें लागू होने के बाद दिल्ली में अब 19 किलोग्राम वाले कामर्शियल गैस सिलेंडर का दाम 3,071.5 रुपये हो गया है। आम लोगों को राहत देते हुए घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सिलिंडर के दाम बढ़ने पर कांग्रेस आक्रामक कहा- फिर चला महंगाई का चाबुक...

व्यवसायिक सिलिंडर की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने व्यवसायिक सिलिंडर की कीमतों में उछाल के मुद्दे पर सरकार पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा, 'महंगाई मैन मोदी' का चाबुक फिर चला। कमर्शियल सिलिंडर 993 रुपए महंगा हुआ। मोदी ने पिछले 4 महीने में कमर्शियल सिलिंडर के दाम इस तरह बढ़ाए।' कांग्रेस ने कहा, 'कमर्शियल सिलिंडर सिर्फ 4 महीने में 1,518 रुपए महंगा हो गया। अभी साल के 8 महीने बाकी हैं। मोदी की वसूली जारी है...। मोदी सरकार सिर्फ वसूली करना जानती है। अब 5 किलो वाला छोटू सिलिंडर भी महंगा कर दिया। पहले आधार कार्ड पर सिलिंडर बांटे, फिर उसका दाम बढ़ा दिया।

बड़ा घोटाला : 87 हजार से ज्यादा फर्जी जन्म प्रमाण पत्र होंगे रद्द,6 अधिकारी सस्पेंड

नई दिल्ली,01 मई 2026। मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में जन्म प्रमाणपत्रों को लेकर बड़ा घोटाला सामने आया है। इस मामले में कुल 87,149 जन्म प्रमाणपत्रों को रद्द करने की तैयारी की गई है। आरोप है कि ये प्रमाणपत्र बीएमसी के पुराने और बंद हो चुके एसएपी सिस्टम के जरिए अवैध रूप से जारी किए गए। अब तक 6 स्वास्थ्य अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है। इस पूरे मामले को लेकर भाजपा के पूर्व सांसद किरीट सोमैया लगातार सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि वह जुलाई 2025 से इस घोटाले को उजागर करने में लगे हुए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए इसकी जानकारी दी और जांच के आदेश देने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और बीएमसी कमिश्नर का धन्यवाद भी किया। किरीट सोमैया ने बताया कि बीएमसी ने 1 जनवरी 2016 से सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम

(सीआरएस) पोर्टल को अपनाया था। इसके बावजूद कुछ स्वास्थ्य अधिकारियों ने कथित तौर पर पुराने एसएपी सिस्टम का इस्तेमाल करते हुए जन्म प्रमाणपत्रों का गलत तरीके से रजिस्ट्रेशन और री-रजिस्ट्रेशन किया। आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 में 30,507, साल 2025 में 48,705 और साल 2026 में 7,135 जन्म प्रमाणपत्र दोबारा दर्ज किए गए। यह पूरी प्रक्रिया नियमों के खिलाफ बताई जा रही है। इस मामले में कार्रवाई भी शुरू हो चुकी है। अब तक 6 स्वास्थ्य अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है। हाल ही में डॉ. शैलेन्द्र गुजर को भी सस्पेंड किया गया है। इससे पहले एम-ईस्ट वार्ड के दो अन्य अधिकारियों पर भी कार्रवाई हुई थी। ताजा जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कई वार्डों के मेडिकल ऑफिसर्स ने पुराने एसएपी-नागरिक पंजीकरण प्रणाली में बिना अनुमति के बदलाव किए।

बुद्ध पूर्णिमा पर हरिद्वार में उमड़ा आस्था का सैलाब,तेरह लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में डुबकी

हरिद्वार,01 मई 2026। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर शुक्रवार को हरिद्वार में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह के अनुसार आज संध्याकालीन गंगा आरती तक 13 लाख 5 हजार श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। समाचार लिखे जाने तक स्नान जारी था। भोर सवेरे से ही हरकी पैड़ी,मालवीय द्वीप, सुभाष घाट,गौ घाट व रोडीबेलवाला सहित सभी प्रमुख गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं का तांता लग गया। 'हर-हर गंगे' और 'बुद्धं शरणं गच्छामि' के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने गंगा की पवित्र धारा में पुण्य की डुबकी लगाई। मान्यता है कि बुद्ध पूर्णिमा पर गंगा स्नान और दान करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है।

मप्र के जबलपुर का बरगी डैम हादसा...अब तक नौ शव बरामद 4 लोग लापता,खोज और बचाव अभियान जारी, 28 को बचाया गया

जबलपुर,01 मई 2026। मध्य प्रदेश के जबलपुर में नर्मदा नदी पर बने बरगी डैम में गुरुवार शाम को तेज आंधी-तूफान के चलते पर्यटकों से भरा पर्यटन विभाग का क्रूज डूबने की घटना में शुक्रवार सुबह तक नौ शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि 28 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। प्रशासन के मुताबिक 4 ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। बरगी डैम में हादसे के वक्त क्रूज में 40 -45 पर्यटक सवार थे। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल मिश्रा ने बताया कि शुरुआती खोज और बचाव अभियान (रेस्क्यू) में एसडीआरएफ ने कई लोगों को बचाया,लेकिन अंधेरा और खराब मौसम से राहत कार्य प्रभावित हुआ। शुक्रवार सुबह फिर से रेस्क्यू शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि स्थानीय प्रशासन के साथ अब राष्ट्रीय स्तर की टीमें भी तैनात की गई हैं। भारतीय सेना भी राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई है। हैदराबाद से एक स्पेशल टीम और हेलिकॉप्टर पहुंचने वाला है। कोलकाता से पैरामिलिट्री की एक विशेष टीम जबलपुर पहुंच चुकी है। हाइड्रॉलिक मशीनों और पोकलेन की मदद से 20 फीट गहरे पानी में फंसे क्रूज को बाहर निकालने की कोशिश जारी है। गौरतलब है कि गर्मी के मौसम में शाम को

लोग बरगी डैम घूमने जाते हैं। गुरुवार शाम को अचानक मौसम बिगड़ गया और तेज आंधी-तूफान शुरू हो गया। इसी दौरान पर्यटकों से भरा एक क्रूज खमरिया टापू के पास संतुलन बिगड़ने से डूब गया। क्रूज के पायलट महेश ने बताया कि 'सुरक्षा के इंतजाम तो थे, लेकिन अचानक आए तेज तूफान के चलते क्रूज अनियंत्रित हो गया। किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला। महेश को 10 साल का अनुभव है। खबर लिखे जाने तक नौ शव बरामद हो चुके हैं। प्रशासन ने इसकी पुष्टि कर दी है।

लद्दाख में बुद्ध अवशेष प्रदर्शनी का शुभारंभ.... शांति व सहअस्तित्व का संदेश और प्रासंगिक : शाह

लेह,01 मई 2026। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर लद्दाख में भगवान तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेषों की पहली राष्ट्रीय प्रदर्शनी के उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 75 वर्षों के बाद इन अवशेषों का लद्दाख आगमन ऐतिहासिक और सौभाग्यपूर्ण क्षण है, जो पूरी मानवता को शांति, सहअस्तित्व एवं मध्यम मार्ग का संदेश देता है। भारत की सभ्यता हजारों वर्षों से ज्ञान और करुणा पर आधारित रही है और आज बुद्ध के संदेश की प्रासंगिकता पहले से अधिक बढ़ गई है। यहां धार्मिक कार्यक्रम स्थल जिवेत्सल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में लद्दाख के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, लद्दाख बौद्ध संघ के अध्यक्ष त्सेरिंग दोरजे लाकरूक,लद्दाख गोंपा संघ के अध्यक्ष दोरजे स्टांजिन, रिनपोछे क्याबजे द्रुक्पा थुकसे,डॉ लोबजांग त्सेवांग सहित बौद्ध समुदाय के कई प्रमुख धार्मिक नेता, आध्यात्मिक गुरु मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक लामा वादन,त्सोग अर्पण,दीप प्रज्वलन और पवित्र अवशेषों के दर्शन कराए गए। साथ ही तिब्बती सांस्कृतिक कार्यक्रम,भक्ति गीत और लद्दाखी लोक नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिनमें क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा

की झलक दिखाई दी। कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि आज से 563 ईसा पूर्व लुंबिनी में सिद्धार्थ का जन्म हुआ, ज्ञान प्राप्ति के बाद वे तथागत बुद्ध कहलाए और 80 वर्ष की आयु में कुशीनगर में उनका महापरिनिर्वाण हुआ। ऐसे संयोग इतिहास में विरले ही देखने को मिलते हैं, जिसका जन्म, ज्ञान प्राप्ति और मृत्यु एक ही दिन हुए हों। इससे बुद्ध का जीवन और उनका संदेश और अधिक विशिष्ट बन जाता है। उन्होंने कहा कि 75 वर्ष पहले जब बुद्ध के अवशेष यहां लाए गए होंगे, तब बुनियादी सुविधाएं सीमित रही होंगी,लेकिन आज विकसित अवसंरचना के बीच इन अवशेषों का आगमन नए युग का प्रतीक है। यह दिन लद्दाख के लोगों के लिए विशेष सौभाग्य का दिन है और यह ऐतिहासिक मिलन का क्षण है, जब तथागत बुद्ध की स्मृतियां पुनः इस भूमि से जुड़ रही हैं। अमित शाह ने कहा कि लद्दाख बुद्ध के धम्म की भूमि रही है और यहां सदियों से उनके विचारों का संरक्षण और संवर्धन होता रहा है। जब दलाई लामा यहां आते हैं तो वे इस भूमि को बौद्ध संस्कृति और करुणा की जीवंत प्रयोगशाला बताते हैं। कठिन समय में इस क्षेत्र ने बुद्ध के ज्ञान को सुरक्षित रखा और अनुकूल समय में उसे आगे बढ़ाया। उन्होंने बौद्ध परंपराओं का जिक्र करते हुए कहा कि निंगमा,काग्यू,साक्य और गेलुग जैसी परंपराओं का मूल संदेश वस्तु को उसी रूप में देखने का है जैसा वह है। यह दृष्टिकोण वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में अत्यंत महत्वपूर्ण है, जब दुनिया संघर्ष और अस्थिरता का सामना कर रही है। गृहमंत्री ने कहा कि लद्दाख में इन पवित्र अवशेषों की उपस्थिति यह स्मरण कराती है कि भारत की सभ्यता शांति और सहअस्तित्व के मूल्यों पर आधारित है। युद्ध और संघर्ष के समय में भी शांति का मार्ग ही मानवता को आगे बढ़ा सकता है और यही बुद्ध का संदेश है। उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक के दूतों ने कश्मीर से तिब्बत जाने वाले मार्गों के माध्यम से लद्दाख में बौद्ध धर्म का प्रसार किया। साथ ही सिल्क रूट के कारण यह क्षेत्र व्यापार के साथ-साथ विचारों के आदान-प्रदान का भी प्रमुख केंद्र बना। आज भी विश्व में जहां-जहां बौद्ध परंपरा मौजूद है,वहां लद्दाख से जुड़े ज्ञान को विशेष महत्व दिया जाता है। अमित शाह ने कहा कि जब भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया था,तब उनका संदेश जितना प्रासंगिक था,आज वह उससे अधिक प्रासंगिक हो गया है।

भारत-यूएई सीईपीए से व्यापार में मजबूत बढ़ोतरी और व्यवसायों को मिल रहे हैं नए अवसर : पीयूष गोयल

नई दिल्ली,01 मई 2026। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) व्यापार को तेजी से बढ़ा रहा है और भारतीय व्यवसायों के लिए नए अवसर खोल रहा है। इस समझौते के लागू होने के चार साल बाद भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच आर्थिक संबंध कई क्षेत्रों में काफी मजबूत हुए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में गोयल ने कहा कि इस समझौते ने भारतीय किसानों, एमएसएमई और अन्य कारोबारों के लिए बड़े बदलाव वाले अवसर पैदा किए हैं। उन्होंने कहा, 'चार साल पहले जब भारत-यूएई सीईपीए लागू हुआ,तब इसने किसानों, एमएसएमई और व्यवसायों के लिए नए और बड़े अवसर पैदा किए। 'केंद्रीय मंत्री ने बताया कि दोनों देशों के बीच वस्तु व्यापार 100 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है,जो इस समझौते के बाद तेजी से बढ़ोतरी को दर्शाता है।

वहीं,सेवाओं का व्यापार भी लगातार बढ़ रहा है,जिससे भारतीय कंपनियों को नए बाजार मिल रहे हैं और उनकी कमाई के अवसर बढ़ रहे हैं। गोयल ने कहा,'द्विपक्षीय व्यापारिक वस्तुओं का व्यापार मजबूती से बढ़ा है और 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर गया है, वहीं सेवाओं का व्यापार भी लगातार बढ़ रहा है,जिससे नए बाजार और ज्यादा लाभ मिल रहा है।' उन्होंने बताया कि रत्न और आभूषण,इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स और कृषि जैसे क्षेत्रों में तेजी से विस्तार हो रहा है। साथ ही यूएई से भारत में विदेशी निवेश (एफडीआई) और भारत के विदेशी निवेश भी बढ़ रहे हैं।

संपादकीय

साइबर ठगों के साथी

कानपुर में चार बैंक मैनेजरों समेत आठ साइबर ठगों की गिरफ्तारी इस आशंका की पुष्टि करती है कि बैंक कर्मियों और आनलाइन ठगी करने वालों में मिलीभगत कायम हो गई है। आमतौर पर साइबर ठग ठगी की रकम इधर-उधर करने के लिए किसी अन्य के खातों यानी म्यूल खातों का सहारा लेते हैं। ऐसे तमाम खाते बैंक अधिकारियों की साठगांठ से खुलते हैं।

कानपुर का प्रसंग पहला ऐसा प्रकरण नहीं,जिसमें साइबर ठगी के किसी मामले में बैंक अधिकारियों की भूमिका पाई गई हो। हाल के समय में इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं,जो यह बताते हैं कि बैंक अधिकारी साइबर ठगों से मिलकर फर्जी या म्यूल खाते खुलवाते हैं। कुछ समय पहले लखनऊ में एक बैंक मैनेजर समेत चार लोगों को साइबर धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

इसी तरह तेलंगाना पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर साइबर ठगों से मिलीभगत में दो बैंकों के मैनेजरों को गिरफ्तार किया था। ये बिना सत्यापन के खाते खुलवाते थे और इसके बदले साइबर ठगों से कमीशन लेते थे। कुछ बैंक मैनेजर डिजिटल अरेस्ट के जरिये की जाने वाली ठगी के मामले में भी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

साइबर ठगी के मामलों में बैंकों की संदिग्ध भूमिका का सबसे पहले उल्लेख सुप्रीम कोर्ट ने तब किया था,जब वह डिजिटल अरेस्ट के नाम पर की जाने वाली ठगी के मामलों की सुनवाई कर रहा था। उसके आदेश-निर्देश के बाद साइबर ठगों के खिलाफ सख्ती बरतनी शुरू हुई और उनकी गिरफ्तारियां भी हुईं। इसके अतिरिक्त रिजर्व बैंक के निर्देश पर भी बैंकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके ऐसी पहल शुरू की,जिससे ठगी का पैसा द्रुत गति से एक खाते से दूसरे और दूसरे से तीसरे में हस्तांतरित हो तो बैंकों को इसकी भनक लग जाए, पर यह ध्यान रहे कि साइबर ठग धोखाधड़ी के नए-नए तौर-तरीके इस्तेमाल करने में माहिर हैं।

चूंकि इसकी भरी-पूरी आशंका है कि साइबर ठग आनलाइन धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए सक्रिय एजेंसियों को मात देने के लिए अपने तौर-तरीके बदल सकते हैं, इसलिए उन्हें सतर्क रहना होगा। वैसे भी यह देखने को मिलता रहा है कि पुलिस एवं अन्य एजेंसियां डाल-डाल हैं तो साइबर ठग पात-पात। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि साइबर ठग भी एआइ समेत अन्य आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करने में सक्षम हैं।

इसी कारण वे विदेश में बैठकर भी साइबर ठगी को अंजाम देते रहते हैं। साइबर ठगों की धरपकड़ में तेजी आने के बाद भी यह शुभ संकेत नहीं कि उनके दुस्साहस में कोई कमी आती नहीं दिखती। साइबर ठगी पर लगाम लगाने के लिए एजेंसियों की अपनी सक्रियता का स्तर बढ़ाने के साथ यह भी आवश्यक है आम लोगों को कम से कम इतना तो पता होना ही चाहिए कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई प्रक्रिया नहीं होती।

समाजोन्मुखी पत्रकारिता के पितामह हैं देवर्षि नारद

योगेश कुमार गोयल
नजफ्फगढ़,नई दिल्ली

नारद मुनि की छवि को एक चुगलखोर अर्थात् इधर की उधर करने वाले और आपस में भिड़ाकर क्लेश कराने वाले पौराणिक चरित्र के रूप में गढ़ दिया गया है लेकिन वास्तव में उनका प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक भक्त की पुकार भगवान तक पहुंचाना ही परिलक्षित होता रहा है। वे एक लोक से दूसरे लोक में भ्रमण करते हुए संवाद-संकलन का कार्य कर एक सक्रिय एवं सार्थक संवाददाता की भूमिका निभाते रहे हैं। संवाद के माध्यम से वे तोड़ने का नहीं बल्कि जोड़ने का कार्य करते हैं और पत्रकारिता के प्रथम पितृ पुरूष हैं। देवताओं के ऋषि होने के साथ-साथ वे ब्रह्माण्ड के प्रथम दिव्य पत्रकार के रूप में लोकमंडल के संवाददाता हैं। उन्हें देवताओं का दिव्य दूत और संचार का अग्रणी साधक माना गया है। उन्हें ब्रह्माण्ड का पहला ऐसा संदेशवाहक अर्थात् पत्रकार माना जाता है,जो एक लोक से दूसरे लोक की परिक्रमा करते हुए सूचनाओं का आदान-प्रदान किया करते थे।

मान्यता है कि देवर्षि नारद का जन्म ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के दिन हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष इसी दिन नारद जयंती मनाई जाती है, जो इस वर्ष 2 मई को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का पूजन करने के पश्चात् देवर्षि नारद की पूजा की जाती है। अपनी वीणा की मधुर तान से भगवान विष्णु का गुणगान करने और अपने श्रीमुख से सदैव नारायण-नारायण का जप करते हुए विचरण करने वाले नारद को महर्षि व्यास, महर्षि वाल्मीकि तथा महाज्ञानी शुकदेव का गुरू माना जाता है। कुछ शास्त्रों में नारद मुनि को त्रिकालदर्शी और विष्णु का अवतार भी माना गया है। श्रीमद भागवद्पुराण के अनुसार सृष्टि में भगवान विष्णु ने देवर्षि नारद के रूप में तीसरा अवतार ग्रहण किया है। कुछ स्थानों पर उनका वर्णन बृहस्पति के शिष्य के रूप में भी मिलता है।

धार्मिक पुराणों के अनुसार अनेक कलाओं तथा विद्याओं में निपुण देवर्षि नारद को संगीत की शिक्षा ब्रह्माजी ने स्वयं दी थी और भगवान विष्णु ने उन्हें माया के विविध रूप समझाए थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद ने ही भक्त

प्रह्लाद,भक्त अम्बरीष,भक्त ध्रुव इत्यादि भगवान विष्णु के कई परम भक्तों को उपदेश देकर उन्हें भक्ति मार्ग में प्रवृत्त किया था। उन्होंने ही भृगु कन्या लक्ष्मी का विवाह भगवान विष्णु के साथ कराया। देवराज इन्द्र को समझा-बुझाकर देव नर्तकी उर्वशी का पुरुरवा के साथ परिणय सूत्र कराया। इसके अलावा वे कई अत्याचारी महाराक्षसों द्वारा जनता के उत्पीड़न का वृत्तांत भगवान तक पहुंचाकर उनके विनाश का माध्यम भी बने। महर्षि वाल्मीकि को रामायण की रचना करने के लिए प्रेरित किया। यही कारण है कि समस्त युगों,कालों, विधाओं और वर्गों में सम्मान के पात्र रहे नारद जी को सभी लोकों के समाचारों की जानकारी रखने वाले कवि,मेधावी नीतिज्ञ तथा एक प्रभावशाली वक्ता के रूप में स्मरण किया जाता है।

जन-जन के हितकारी देवर्षि नारद किस प्रकार धरती पर विभिन्न प्राणियों को दुःखी देखकर स्वयं भी दुःखी हो जाया करते थे,इसका उल्लेख भी एक पौराणिक कथा में मिलता है। कथानुसार, एक बार देवर्षि नारद ने बैकुंठधाम जाकर भगवान विष्णु से निवेदन किया कि वे पृथ्वी पर लोगों को दुःखी देखकर खुद बहुत दुःखी हैं क्योंकि वहां धर्म के रास्ते पर चलने वाले लोगों का नहीं बल्कि गलत कार्य करने वालों का ही भला होता है। भगवान विष्णु ने कहा कि हे नारद! ऐसा नहीं है और जो कुछ भी हो रहा है, सब नियति के जरिये ही हो रहा है। उन्होंने पूछा कि आखिर ऐसा आपने क्या देख लिया,जिसके आधार पर आप यह कह रहे हैं? तब देवर्षि ने कहा कि उन्होंने जंगल में दलदली जमीन में फंसी एक गाय देखी। एक चोर वहां आया और गाय को दलदल में फंसी देखकर भी उसकी कोई मदद करने के बजाय वह उसी पर चढ़कर दलदल लांघकर निकल गया,जिसे आगे जाकर सोने की मोहरों से भरी एक थैली मिली। कुछ पलों बाद वहां एक वृद्ध साधु आए,जिन्होंने काफी प्रयासों के बाद गाय को दलदल से बाहर निकाल दिया लेकिन थोड़ा आगे जाने पर वही साधु एक गहरे गड्ढ़े में गिरकर घायल हो गए। आखिर यह कौनसा न्याय है? देवर्षि की बातें सुनने के पश्चात् भगवान विष्णु ने कहा कि जो चोर गाय पर चढ़कर भाग गया था, उसकी किस्मत में तो एक बड़ा खजाना था लेकिन उसके इस पाप के कारण उसे केवल कुछ ही मोहरें मिली जबकि साधु को गड्ढ़े में इसलिए गिरना पड़ा क्योंकि उनके भाग्य में मृत्यु लिखी थी लेकिन गाय को बचाने के कारण उनके पुण्य बढ़ गए और उनकी मृत्यु एक छोटी सी चोट में बदल गई। भगवान विष्णु ने उन्हें समझाते हुए कहा कि किसी भी इंसान के कर्म से ही उसका भाग्य तय होता है।

सद्गुणों के अथाह भंडार और समस्त शास्त्रों में प्रवीण देवर्षि नारद को शास्त्रों में मन का ऐसा भगवान कहा गया है, जो किसी भी होनी-अनहोनी को समय रहते पहचान लेते हैं। उन्हें वेदों और उपनिषदों का मर्मज्ञ,न्याय तथा धर्म का तत्वज्ञ, शास्त्रों का प्रकांड विद्वान,इतिहास व पुराण विशेषज्ञ,औषधि ज्ञाता,योगनिष्ठ, ज्योतिष एवं संगीत विशारद, भक्ति रस का प्रमुख तथा अतीत की बातों को जानने वाला माना गया है। वे एक ऐसे पौराणिक चरित्र हैं,जो तत्वज्ञान में परिपूर्ण हैं। पच्चीस हजार श्लोकों वाला प्रसिद्ध 'नारद पुराण' देवर्षि द्वारा ही रचा गया है, जिसमें उन्होंने भगवान विष्णु की भक्ति महिमा के साथ-साथ मोक्ष,धर्म, संगीत, ब्रह्मज्ञान, प्रायश्चित इत्यादि कई विषयों की मीमांसा प्रस्तुत की है। इसके अलावा संगीत का एक उत्कृष्ट ग्रंथ 'नारद संहिता' भी है।

एक गठरी,जिसने पूरी व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया

प्रो.आर.जैन 'अरिजीत'
बड़वानी,मध्यप्रदेश

कानून नहीं टूटा,पर इंसान टूट गया यही असली सवाल है... व्यवस्था अपनी जगह सही, पर इंसान तक पहुँचने में नाकाम

सच का आईना अक्सर वहीं मिलता है, जहाँ नजरें कम जाती हैं। ओडिशा के एक ग्रामीण इलाके की सुनसान राह पर चलता वह व्यक्ति केवल राहगीर नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता का प्रतीक बन गया था। उसके कंधों पर रखी गठरी में कोई वस्तु नहीं, बल्कि उसकी मृत बहन के अवशेष थे–और भीतर अपमान, थकान व असहायता का गहरा बोझ था। कई किलोमीटर का यह सफर वर्षों की उपेक्षा और असमानता की खाई को पार करने जैसा था,जहाँ उसे मानवीय संवेदना की सीमा तक जाना पड़ा। उद्देश्य था–करीब बीस हजार रुपये–पर रास्ता इतना कठोर कि उसे अपनी बहन के अवशेष ही प्रमाण बनाने पड़े। यह दृश्य केवल पीड़ादायक नहीं,बल्कि भयावह है, जो व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर करता है।

इसे केवल एक वायरल दृश्य मानकर आगे बढ़ जाना सबसे बड़ी चूक होगी। यह उस व्यक्ति की दास्तान है, जिसने व्यवस्था के दरवाज़े पर बार-बार दस्तक दी,पर हर बार कागज़ी औपचारिकताओं की दीवार से टकराकर लौटना पड़ा। वह व्यक्ति–एक अशिक्षित,दिहाड़ी मजदूर–दर असल उसी भारत का चेहरा है,जो अक्सर योजनाओं और आँकड़ों की भीड़ में गुम हो जाता है। उसके लिए बैंक,प्रमाण-पत्र और प्रक्रियाएँ जीवन का सामान्य हिस्सा नहीं, बल्कि भय और उलझनों से भरा जाल हैं। बहन की मृत्यु के बाद बची थोड़ी-सी राशि ही उसके लिए आशा की अंतिम किरण थी। पर जब उस पर भी नियमों का कठोर पहरा लगा, तो उसका मानसिक संतुलन डगमगा गया। उसका यह कदम तर्कसंगत न हो, पर उसकी पीड़ा निस्संदेह सच्ची और असहनीय थी।

परिस्थिति का एक दूसरा आयाम भी है,जो उतना ही सख्त है और जिसे अनदेखा करना उचित नहीं। बैंक की मांग कोई मनमानी नहीं,बल्कि विधिक प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा थी। मृत्यु प्रमाण-पत्र और वारिस की पुष्टि जैसे प्रावधान उसी व्यवस्था की नींव हैं, जो छल और धोखाधड़ी को रोकती है। यदि बिना दस्तावेज़ के राशि दे दी जाती, तो वही समाज बाद में बैंक को लापरवाह ठहराता। नियम संवेदनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाए जाते हैं। यह स्वीकार करना होगा कि व्यवस्था की कठोरता ही उसकी विश्वसनीयता का आधार बनती है। किंतु प्रश्न अब भी बना हुआ है–क्या इस कठोर ढांचे में मानवीय संवेदना के लिए कोई स्थान शेष है, या वह कागज़ी औपचारिकताओं के बोझ तले दबकर रह गई है?

यहीं से सवाल एक चुभती हुई सच्चाई बनकर उभरता है–दोष नियमों में है या उन्हें पाने की प्रक्रिया में? ग्रामीण भारत में मृत्यु प्रमाण-पत्र बनवाना भी कई लोगों के लिए कठिन काम बन जाता है। जानकारी की कमी, दफ्तरों की दूरी और भाषा-व्यवहार की खाई आम आदमी को बेबस कर देती है। उस व्यक्ति के लिए यह प्रक्रिया उतनी ही जटिल रही होगी, जितनी हमारे लिए किसी अनजाने देश के कानून समझना। उसका कदम गलत था, पर इसकी जड़ उस व्यवस्था में भी है,जिसने उसे सही रास्ता कभी दिखाया ही नहीं। जब रास्ते साफ नहीं होते,तो भटकाव मजबूरी बन जाता है। डिजिटल दुनिया में उमड़ता गुस्सा अपने आप में एक कड़वा सच उजागर करता है। हम बिना पूरी तस्वीर देखे तुरंत व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर देते हैं, जबकि असल समस्या कई स्तरों पर फैली होती है। यह मानना सही है कि गरीबी इंसान को संवेदनशील बनाती है,लेकिन जब यही संवेदना अति में बदल जाती है, तो सच्चाई ओझल हो जाती है। बैंक को दोष देना सरल है, पर यह सवाल उठाना कठिन है कि क्या हमने अपने समाज को इतना जागरूक बनाया है कि वह इन प्रक्रियाओं को समझ सके। यह घटना केवल एक व्यक्ति का दुख नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक कमी का परिणाम है, जिसमें हम सब किसी न किसी रूप में भागीदार हैं। अब बात सिर्फ खेद जताने तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि ठोस सुधार की मांग करती है। बैंकों और प्रशासन को यह स्वीकार करना होगा कि नियम तभी प्रभावी होते हैं, जब वे आम लोगों के लिए सहज और पहुँच में हों। ग्रामीण क्षेत्रों में सहायता केंद्र,सरल और स्पष्ट भाषा में जानकारी, तथा पंचायतों के साथ मजबूत समन्वय–ये सब अब जरूरत बन चुके हैं। संवेदनशीलता का अर्थ नियमों से समझौता नहीं, बल्कि उन्हें इस तरह लागू करना है कि हर व्यक्ति उन्हें समझ सके और अपनाने में सक्षम हो। अगर व्यवस्था लोगों तक पहुँचने में असफल रहती है, तो उसका अस्तित्व ही सवालों के घेरे में आ जाता है।

यह घटना एक गहरी और कड़वी सच्चाई को सामने लाती है–हमारी व्यवस्था ऊपर से भले ही सुदृढ़ दिखे,लेकिन उसकी जड़ों में कहीं न कहीं कमजोरी छिपी हुई है। सबसे पीछे खड़ा आम व्यक्ति आज भी जरूरी जानकारी और बुनियादी सुविधाओं से दूर रह जाता है। अक्सर ऐसी घटनाओं के बाद प्रशासन की सक्रियता देखने को मिलती है, पर यह प्रश्न लगातार उठता है कि यह पहल पहले क्यों नहीं दिखाई दी? क्या हर बार हमें किसी बड़ी त्रासदी का इंतजार करना पड़ेगा, तभी बदलाव की शुरुआत होगी? अब गंभीरता से सोचने का समय है कि कहीं हम ऐसा समाज तो नहीं बन गए हैं, जो केवल हादसों के बाद ही जागता और सक्रिय होता है। अब यह पल हमसे कठोर जवाब मांग रहा है–क्या हम केवल आक्रोश में सिमटे रहेंगे,या सच में ठोस बदलाव की ओर बढ़ने का साहस करेंगे? हड्डियों की वह गठरी केवल एक परिवार की पीड़ा नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना है, जिसमें संवेदनशीलता और नियमों के बीच संतुलन बुरी तरह बिगड़ चुका है। यदि हमने इस घटना से कोई ठोस सीख नहीं ली,तो कल फिर कोई आम व्यक्ति अपनी बेबसी का यही बोझ ढोता नजर आएगा। और तब हमारी संवेदनाएं भी उतनी ही भारी और सुन्न हो जाएंगी, जितना उसके कंधों पर रखा वह बोझ था।

डां सुमेर सिंह सोलंकी: आमजन की मुखर आवाज

हेमेन्द्र क्षीरसागर,
बालाघाट,मध्यप्रदेश

राष्ट्रभक्ति, सेवा,संगठन का समर्पण कभी निरर्थक नहीं जाता, इसका परिणाम देर नहीं सवेरे जरूर आता है। ऐसे ही अंत्योदय-सूर्योदय, सर्वोदय-राष्ट्रोदय की विचारधारा से अभिप्रेरित,01 मई 1972 को मध्यप्रदेश की धरा बड़वानी जिले के ग्राम थान, तहसील पाटी में श्रीमती बटली बाई-अमर सिंह सोलंकी के घर जन्मे डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी जीवन संगिनी श्रीमती मंजुला सोलंकी के संग 30 जुलाई 2002 को दांपत्य में बंधे। एक बेटी, एक बेटा के पिता डां सोलंकी खरगोन-बड़वानी पूर्व सांसद माकन सिंह सोलंकी के भतीजे हैं। सेवाकाल बड़वानी के शहीद भीमा नायक शासकीय महाविद्यालय में इतिहास विभाग के प्रोफेसर रहे हैं।

दौरान प्रोफेसर सोलंकी ने अध्यापन के साथ ही समाज सेवा में सक्रिय रहे। इन्हें उत्कृष्ट कार्य के लिए कई बार पुरस्कृत किया जा चुका है। डॉ. सोलंकी लंबे समय से स्वच्छता और अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करते रहे हैं। उन्होंने 240 गांवों में जागरूकता शिविर आयोजित किए। करीब साढ़े 600 जागरूकता रैली निकाली। इन्होंने सवा 500 गावों में स्वच्छता अभियान के लिए स्वच्छता दूत नियुक्त किए। इसके अलावा करीब 150 गौरी बंधनों का निर्माण लोगों के सहयोग से करवाया। सोलंकी के मार्गदर्शन में बड़वानी जिले को राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत दो राष्ट्रीय पुरस्कार और चार राज्य स्तरीय पुरस्कार मिल चुके है। प्रत्युत,डां सोलंकी अपने पिता की सबसे बड़ी संतान थे,इसलिए परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति में घर चलाने का दबाव उन पर बचपन से रहा। उन्होंने अपने पिता के साथ खेती-बाड़ी में हाथ बंटाया,बकरियां चराई और मजदूरी भी की। जैसे तैसे दसवीं तक स्कूल गए,उसके बाद तंगहाली के चलते स्कूल छोड़ दिया। मजदूरी के साथ आगे की पढ़ाई चलती रही। वहीं उन्होंने घर का खर्च चलाने के लिए दस साल तक गांव में मोटर रिवाइंडिंग का काम भी किया। इस पैसे से उच्च शिक्षा हासिल की और आगे जाकर इतिहास में पीएचडी की उपाधि हासिल की। वे अपनी तहसील के पहले आदिवासी थे,जिन्हें पीएचडी की डिग्री मिली। कडी मेहनत के बल पर 2005 में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के जरिए सहायक प्राध्यापक के पद पर चयनित हुए। स्तुत्य,2020 में राज्यसभा का टिकट मिलने के बाद संगठन का आभार जताते ते हुए कहा था कि यदि मुझे मां भारती की सेवा का अवसर मिला तो मैं इसके लिए सर्वस्व तैयार हूं। वे बचपन से ही आरएसएस से जुड़े हुए हैं। सुमेर सिंह सोलंकी लंबे समय से वनवासी कल्याण परिषद के माध्यम से जन कल्याण के कामों में लगे हुए हैं। जब वे अपने गांव से राज्यसभा चुनाव के लिए भोपाल रवाना हो रहे थे तो उनके पिता खेत में बुवाई की तैयारी कर रहे थे और मां बीज चुन रही थी। ऐसी कर्मठता और जमीनी हकीकत से वास्ता रखने वाले डां सुमेर सिंह सोलंकी आज भी सहज-सरल, सुलभ-सुबोध बनकर अपने प्रणपथ पर अविरल हैं। भाजपा प्रदेश महामंत्री के दायित्व को संगठन निष्ठा से समर्पण भाव से निभा रहे हैं। जनकल्याण के प्रणेता, एक सफल राज्यसभा सांसद के तौर पर वे आमजन और समग्र विकास की मुखर आवाज है। आह्लादित मां भारती के पुत्र, डां सुमेर सिंह सोलंकी को जन्मोत्सव की अशेष शुभकामनाएं!

संत चले बाजार

डॉ. प्रियंका सौरभ
हिसार
(हरियाणा)

योगी भोगी हो गए,संत चले बाजार।
अबलाएँ मठ-लोक से,रह-रह करें पुकार॥

माटी की मर्याद भी, हुई आज बेहाल,
धर्म-ध्वजा के नाम पर,बिछते छल के जाल।
भक्ति बनी प्रदर्शन अब,मन होता बीमार–
योगी भोगी हो गए,संत चले बाजार॥

गेरुए चोले ओढ़कर,करते लोभ-विहार,
माया के इस खेल में,डूबा हर दरबार।
साधुता की आड़ में,चलता है व्यापार–
योगी भोगी हो गए,संत चले बाजार॥

अब आस्था की आड़ में,होता है अपमान,
अबलाओं की वेदना,सुनता नहीं इंसान।
मठ-मंदिर भी बन गए, पीड़ा के द्वार–
योगी भोगी हो गए,संत चले बाजार॥

जागो आज समाज तुम,पहचानो यह चाल,
सच्चे संतों से अलग,ये नकली जंजाल।
राह सत्य की पकड़ो,छोड़ो झूठा जाल–
योगी भोगी हो गए,संत चले बाजार॥

मजदूर

अनिल कौशिक
कैथल,हरियाणा

तन श्रम रत्त
कर्मठता नत्त
पुरुषार्थ मस्त
चिंतातुर ग्रस्त ।
गर्मी रही चीर
तन बहता नीर
देखा मति धीर
शीतल गंभीर ।
जीवंत करामात
शतरंजी बिसात।
रुखा-सूखा भात
दिवस कर्म सात ।
ईंट, सीमेंट- रेत
हाथ फावड़ा लेत
प्रातः सांझ संवेत
लगा अपने खेत ।
ऊपर से नीचे
नीचे से ऊपर
सिर पर बोझ
आना ले जाना ।
निर्भीक हिचकन
सीढियां लचकन
बढ़े दिल धड़कन
मजबूत पकड़न ।
मजदूर का राज
हुनर को नाज
साझा समाज
शांत मिजाज ।
नयन अचंभित
मेहनत रंजित
आराम से वंचित
हकदार संचित ।
निर्माण कला
सूरज ढ़ला
परिश्रम फला
घर अपने चला ।।

क्या बोलूँ मैं...

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर बिहार

देखो ना,यह जिंदगी कैसी हो गई है। जहाँ लोगों को एक-दुसरें को मनाना चाहिए, प्यार,स्नेह देना चाहिए वहाँ लोग एक- दूसरें को छोड़ने पर विश्वास रखते हैं। शायद जनसंख्या बढ़ रही है तो लोगों को ऐसा लगता है कि एक जाएगा तो दूसरा मिल ही जाएगा लेकिन वो इस बात को समझते नहीं है कि जो मिल चुका है वो वरदान है और जिसे हम खोज रहे हैं वो बस हमारी तलाश है। जिंदगी के सफर में जो दोस्त मिल जाते हैं, वो ही अच्छे - बुरे हालात में साथ निभा जाते हैं। हमें वो ही सुधारते हैं, हमें वो ही एक अच्छा इंसान बनते हैं और वक्त आने पर हम उन्हें ही भूल जाते हैं। वजह कुछ भी हो, गलती हमारी हो या उसकी। इससे क्या फर्क पड़ता है। हमें अपने दोस्ती व रिश्ते को बचाने के लिए झुकना चाहिए और झुकने से कोई छोटा नहीं होता है बल्कि बड़प्पन में बड़ा हो जाता है। लेकिन ये बात आज - कल कोई समझता कहाँ? यहां तो लोग रिश्ते एक सेकंड में तोड़कर चले जाते हैं क्योंकि वो रिश्ते के महत्व को समझते ही नहीं तभी तो इतनी सारी यादों को एक पल में भूलकर,चले जाना पसंद करते है लेकिन एक बार पास बैठ समझाना नहीं। माना इस आधुनिक दुनिया में लोग दिखावे की जिंदगी ही जी रहे हैं लेकिन ऐसा नहीं की लोगों के अंदर दिल नहीं है। दिल अभी भी है बस दिखावे का शौक पाल बैठे हैं क्योंकि उसी दिखावे पर उनकी जिंदगी टिकी। लेकिन दिखावटी जिंदगी वो खुशी कहाँ दे पाती है जो खुशी अपनों से मिलती है। इसलिए हर रिश्ते का कद्र करें, सम्मान दे और सम्मान पाए।।

नकली गम के असली हिस्सेदार

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

शहर के उस वीवीआईपी मोहल्ले में दुःख भी ब्रांडेड था। दीवान साहब क्या मरे, कोठी के बाहर मातम की सेल लग गई। सफ़ेद कुर्ते-पजामे में लोग ऐसे सजे थे जैसे किसी मातम-थीम वाली पार्टी में आए हों। रुआंसा होना वहाँ शिष्टाचार था,पर रोना मिडिल क्लास होने की निशानी। तभी शोक-लिमिटेड कंपनी की गाड़ी रुकी और चार पेशेवर मातमगीर उतरे। इनके चेहरे पर दुख की ऐसी परत थी कि फेयरनेस क्रीम भी शर्मिंदा हो जाए। छोटा बेटा, जो पिता की वसीयत और नेटफ्लिक्स के सब्सक्रिप्शन के बीच झूल रहा था, धीरे से बोला, देखिए,माहौल ऐसा बनाइए कि पड़ोसियों को लगे कि पिता नहीं, कोई भगवान गकए हैं। पैकेज में हिचकियां और छाती पीटना भी शामिल है न? मुख्य मातमगीर ने उसे ऐसे देखा जैसे कोई कलाकार किसी नौसिखिए को देखता है, और बस इतना कहा,साहब,हम आंसुओं की खेती करते हैं,फसल ऐसी काटेंगे कि पूरा मोहल्ला डूब जाएगा। दीवान साहब के शव के पास पहुंचते ही मुख्य मातमगीर ने जो तान छेड़ी,उसे सुनकर मोहल्ले के कुत्ते भी डिप्रेशन में चले गए। ओ मेरे अन्नदाता! आप क्या गए,मोहल्ले की रौनक चली गई! उसकी आवाज़ में वो दर्द था जो अक्सर ईएमआई बाउंस होने पर भी नहीं होता। उसने शव के पैर ऐसे पकड़े जैसे वो कोई खोया हुआ खजाना हो। घर की औरतें,जो अब तक साड़ियों के मैचिंग और कैटरिंग के मेन्यू पर चर्चा कर रही थीं, अचानक हाथ से बने आंसुओं के मुकाबले में पिछड़ने लगीं। लोग फुसफुसा रहे थे–क्या वफादार लोग हैं,दीवान साहब की रूह भी ऊपर बैठकर खुश हो रही होगी कि चलो, कोई तो है जो मुफ्त में नहीं रो रहा। बड़ा बेटा अपनी रुमाल भिगोने के लिए बार-बार आंखों में ग्लिसरीन डाल रहा था ताकि इन भाड़े के रुदालियों से कंपटीशन कर सके। श्मशान की राह में उन चारों ने ऐसा कोहराम मचाया कि लगा साक्षात यमराज को भी अपनी नौकरी से इस्तीफा देना पड़ेगा। वे दीवान साहब के गुणों का ऐसा बखान कर रहे थे जैसे वो कोई समाज सुधारक थे, जबकि सच ये था कि दीवान साहब ने पूरी जिंदगी ब्याज और बददुआएं कमाने में बिताई थी। चिता के पास पहुंचकर मुख्य मातमगीर ने अपनी छाती पीटनी शुरू की, बाबूजी, हमें किसके भरोसे छोड़ गए? छोटा बेटा मन ही मन मुस्कराया, पैसा वसूल है भाई, एकदम नेचुरल एक्टिंग। जैसे-जैसे आग की लपटें बढ़ीं,उन चारों का विलाप पेशेवर दायरे से बाहर निकलकर व्यक्तिगत होने लगा। वे अब चीख नहीं रहे थे, तड़प रहे थे। उनकी आंखों से बहता पानी अब पैकेज का हिस्सा नहीं लग रहा था। अंतिम क्रिया खत्म हुई। बेटे ने चेक बुक निकाली और मुख्य मातमगीर के पास गया, ये लो तुम्हारा बोनस, बहुत जानदार परफॉर्मेंस थी। मातमगीर ने चेक की तरफ देखा भी नहीं,उसकी नजरें चिता की राख पर टिकी थीं। उसने अपनी फटी हुई कमीज की जेब से एक पुराना खत निकाला और राख में डाल दिया। साहब, हम रोने के पैसे नहीं लेते, हम तो बरसों का हिसाब बराबर करने आए थे। बड़े बेटे ने चिढ़कर पूछा, क्या मतलब? पहेलियां मत बुझाओ। मातमगीर की आंखों में अब वो आग थी जो चिता में भी नहीं बची थी। वह बोला,पच्चीस साल पहले दीवान साहब ने जिस अनाथालय की जमीन हड़प कर ये कोठी खड़ी की थी,हम उन अनाथ बच्चों की पहली खेप हैं।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

राशन नहीं मिलने से ग्रामीणों का फूटा गुस्सा...देर रात तक हंगामा

तीन दिन से सुबह 3 बजे से लग रही लाइन,पुलिस के हस्तक्षेप से शांत हुआ मामला

- मार्च और अप्रैल माह का राशन नहीं मिलने से ग्रामीणों में आक्रोश
- लखनपुर विकासखंड के ग्राम रजपुरीकला स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान का मामला

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026
(घटती-घटना)।

लखनपुर विकासखंड के ग्राम रजपुरीकला स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान में राशन वितरण में गड़बड़ी को लेकर गुरुवार देर रात ग्रामीणों का आक्रोश भड़क गया। सैकड़ों हितग्राहियों को राशन नहीं मिलने से नाराज ग्रामीणों ने दुकान संचालक का घेराव कर दिया। स्थिति बिगडने् पर पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा, जिसके बाद मामला शांत हुआ। ग्रामीणों के अनुसार, मार्च और अप्रैल माह का राशन अब तक सैकड़ों लोगों को नहीं मिला है। बीते तीन दिनों से ग्रामीण सुबह 3 बजे से ही लाइन में लग रहे हैं, लेकिन देर रात तक भी राशन वितरण नहीं किया गया। गुरुवार को भी सुबह से लाइन में लगे करीब 250-300 हितग्राहियों को राशन नहीं मिलने पर उनका धैर्य टूट गया और रात में उन्होंने संचालक को घेर लिया। सूचना पर लखनपुर थाना प्रभारी संपत पोटाई मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा कर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने संबंधित अधिकारियों से बात कर शुक्रवार सुबह समाधान का आश्वासन दिया,तब जाकर ग्रामीण शांत हुए।

ग्रामीणों का आरोपः मनमानी से खुलती है दुकान

ग्रामीणों–विमला,धनीराम प्रजापति, भुवनेश्वरी,सुमनिया,चंदा,सुनीता प्रजापति सहित अन्य–ने आरोप लगाया कि दुकान संचालक मनमाने ढंग से दुकान खोलता है। महीने में कुछ ही दिन दुकान खुलती है और तब भी पूरा राशन नहीं दिया जाता। राशन मांगने पर अभद्र व्यवहार किया जाता है। मजबूरी में कई परिवार बाजार से चावल खरीदकर गुजारा कर रहे हैं।

संचालक ने मानी लापरवाही

दुकान संचालक हरेंद्र प्रसाद राजवाड़े ने बताया कि समय पर राशन का आवंटन नहीं होने के कारण दिक्कत हुई। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनकी लापरवाही से वितरण प्रभावित हुआ। उनके अनुसार, वे पुहपुटरा और रजपुरीकला, दोनों दुकानों का संचालन कर रहे हैं।

जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन

हंगामे के बाद शुक्रवार को जिला खाद्य अधिकारी एस.बी. कामटे, तहसीलदार अमन चतुर्वेदी और खाद्य निरीक्षक सतपाल सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से चर्चा कर नियमित राशन वितरण का भरोसा दिलाया। साथ ही,वर्तमान संचालक को हटाकर नए व्यक्ति की नियुक्ति करने की बात भी कही गई है।

लगातार सामने आ रहीं शिकायतें

क्षेत्र में राशन वितरण में गड़बड़ी की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में अब देखना होगा कि प्रशासन कब तक व्यवस्था सुधारकर हितग्राहियों को समय पर राशन उपलब्ध करा पाता है।

अंबिकापुर में प्रतिभा सम्मान योजना कार्यक्रम आयोजित,मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026
(घटती-घटना)।

जिला पंचायत सभागार, अंबिकापुर में आज ''प्रतिभा सम्मान योजना 2025-26'' अंतर्गत जिला स्तरीय चयनित छात्र-छात्राओं को चेक एवं पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों, खिलाड़ियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरगुजा आयुक्त श्री नरेंद्र दुग्गा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रतिभा किसी संसाधन की मोहताज नहीं होती तथा ऐसे आयोजन बच्चों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विनय अग्रवाल एवं जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा ने विद्यार्थियों को निरंतर प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने एवं आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रतिभा सम्मान योजना (PSY) की मुख्य कार्यपालन अधिकारी छत्तीसगढ़ श्रीमती शुभ्रा शुक्ला मिश्रा भी उपस्थित रहीं। नीति आयोग से संबद्ध प्रतिभा सम्मान योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष देशभर में परीक्षा आयोजित की जाती है, जिसमें जिला स्तर पर 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 1200 रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा राज्य स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को 1 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है। सरगुजा जिले में योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन हेतु जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. झा को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में स्वाति सिंह, शिवांश जायसवाल, हर्षिता खुशवाहा, स्तुति पांडे एवं करुणा राठिया शामिल रहे। वहीं रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में टी साई वंशराज, सम्यक कुमार, अदिति गुप्ता, अंशुमाला, शिवम कुमार, शौर्य सिंह, आरुष शुक्ला, टी ए प्रणव साई, तरुण यादव, रामलीला, अयांश अग्रवाल, पारसा प्रवीण, श्रीयाली गुप्ता, सिद्धि सिंह, अनिता अगारिया, रोशनी दास, चिलार्गना दास, येदांत कुमार, अनुष्का सिंह एवं मोक्ष वर्धन शामिल रहे। योजना में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों-श्रीमती सुनीता दास, श्री राजू गुप्ता, ग्लोबल पब्लिक स्कूल सूरजपुर, श्रीमती शांति बरवा (कार्मल कॉन्वेंट बिश्रामपुर) एवं श्री अरूण दास-को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुनीता दास, व्याख्याता, शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, अंबिकापुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर सरगुजा संभाग के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पति से विवाद के बाद मां ने खाया जहर..5 साल के बेटे की मौत

मासूम को भी पिलाया कीटनाशक,अंबिकापुर में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026 (घटती-घटना)।

जशपुर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद महिला ने खुद कीटनाशक पी लिया और अपने 5 साल के बेटे को भी पिला दिया। गंभीर हालत में बच्चे को अंबिकापुर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं महिला का इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, तुमला थाना क्षेत्र के ग्राम जोरंडाझरिया निवासी ईश्वर यादव 29 अप्रैल को अपने दोस्त की बारात में जाना चाहता था। उसकी पत्नी सुलोचनी ने उसे जाने से मना किया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद के बाद गुस्से में सुलोचनी घर के अंदर गई और पति के सामने ही कीटनाशक पी लिया। उस समय उसकी गोद में 5 साल का बेटा आदित्य यादव भी था। बच्चे के मुंह से भी कीटनाशक की गंध आ रही थी, जिससे आशंका है कि उसे भी जहर पिलाया गया।

अस्पतालों के चक्कर, नहीं बच सका मासूम : घटना के बाद परिजन दोनों को इलाज के लिए भेलवा

अस्पताल ले गए। वहां से बच्चे की हालत गंभीर होने पर कुनकुरी अस्पताल रेफर किया गया। स्थिति में सुधार नहीं होने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाया गया, जहां जांच के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मां की हालत स्थिर, जांच जारी : महिला सुलोचनी का इलाज फिलहाल भेलवा अस्पताल में चल रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई जा रही है।

पटाखा कारोबारी की बढ़ी मुश्किलें, आईजी के निर्देश पर जोड़े गए गैरजमानती धारा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026
(घटती-घटना)।

शहर के राम मंदिर रोड स्थित रिहायशी इलाके में पटाखा व प्लास्टिक गोदाम में लगी भीषण आग के मामले में अब पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए आईजी दीपक झा ने नाराजगी जताई है और एसएसपी को पत्र लिखकर गैरजमानती धाराओं के तहत अपराध दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही थाना प्रभारी व विवेचक से 7 दिन के भीतर स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। 23 अप्रैल को गोदाम की छत पर वेल्डिंग का काम किया जा रहा था। इसी दौरान चिंगारी गिरने से पटाखा और प्लास्टिक सामग्री में आग लग गई। गोदाम में ज्वलनशील सामग्री अधिक होने के कारण आग तेजी से फैल गई और बेकाबू हो गई। संकरी गली और घनी आबादी के चलते आसपास के घरों में भी नुकसान हुआ। फायर ब्रिगेड को आग बुझाने में 24 घंटे से ज्यादा

समय लगा, जबकि गोदाम के भीतर आग 3 से 4 दिन तक सुलगती रही। घटना के बाद कोतवाली पुलिस ने संचालक मुकेश अग्रवाल और प्रवीण अग्रवाल के खिलाफ बीएनएस की धारा 125, 279 और 287 के तहत मामला दर्ज किया था। यह धाराएं जमानती होने के कारण शहर में नाराजगी फैल गई। सोशल मीडिया पर लोगों ने पुलिस पर मामले को हल्के में लेने का आरोप लगाया। आईजी द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि मामले में बीएनएस की धारा 324, 326 (छ) और विस्फोटक अधिनियम 1984 की धारा 9(ख) भी लागू होती है, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट में इन्हें नहीं जोड़ा गया। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब मांगा गया है और तत्काल धाराएं जोड़क़र आगे की कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

पड़ोसी ने दर्ज कराई थी रिपोर्ट

राम मंदिर रोड निवासी प्रफुल्ल पांडेय ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि लंबे समय से रिहायशी क्षेत्र में अवैध रूप से गोदाम संचालित किया जा रहा था। आग की लपटें उनके घर तक पहुंचीं, जिससे घर का सामान जल गया और दीवारों में दरारें आ गईं। अन्य मकानों को भी नुकसान हुआ है।

फोरेंसिक जांच में जुटाए गए साक्ष्य

कलेक्टर के निर्देश पर गठित जांच टीम की निगरानी में फोरेंसिक विशेषज्ञों ने मौके पर पहुंचकर मलबे से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद शहर में रिहायशी इलाकों में अवैध रूप से संचालित गोदामों को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने ऐसी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या ठोस कदम उठाता है।

निलेश यादव ने 12वीं में 89.6 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय में किया टॉप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026
(घटती-घटना)।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, केशवपुर के छात्र निलेश यादव ने कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 89.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। निलेश की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार एवं उनके परिजनों में खुशी का माहौल है। शिक्षकों ने उनकी मेहनत, अनुशासन और लगन की सराहना की है। निलेश यादव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को देते हुए कहा कि वे भविष्य में भी और बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे।

शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण करने वाले आरोपी पर मामला दर्ज,गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026
(घटती-घटना)।

शादी का झांसा देकर युवती का पांच वर्षों तक दैहिक एवं मानसिक शोषण करने वाले आरोपी के विरुद्ध दरिमा थाना पुलिस ने अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 29 अप्रैल 2026 को प्रार्थिया ने थाना दरिमा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी पुत्री को गांव के रामकरण सिंह द्वारा पिछले पांच वर्षों से शादी का झांसा देकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। 28 अप्रैल 2026 को जब पीड़िता ने आरोपी से विवाह के संबंध में बात की, तब उसने शादी करने से साफ इंकार कर दिया और किसी अन्य से विवाह करने की बात कही, जिससे पीड़िता को गहरा मानसिक आघात पहुंचा। पीड़िता की शिकायत पर दरिमा थाना में अपराध क्रमांक 101/2026 के तहत धारा 376, 313 भा.दं.वि. एवं 69 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने 30 अप्रैल 2026 को आरोपी रामकरण सिंह पिता रामनाथ सिंह, उम्र 30 वर्ष, निवासी जमगवां थाना दरिमा जिला सरगुजा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। मेडिकल परीक्षण के बाद आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

हादसे में घायल महिला की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026 (घटती-घटना)।

जशपुर के कुरूवां आश्रम के पास दो बाइकों की भिड़ंत हो गई। हादसे में एक बाइक के पीछे बैठी महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। चंपा अस्पताल से रेफर करने पर उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अनिमा केरकेट्टा पति मोहर साय उम्र 33 वर्ष ग्राम आस्ता जशपुर की रहने वाली थी। वह 30 अप्रैल को पति के साथ बाइक से चंपाबाजार गई थी। वहां से दोनों वापस लौट रहे थे। रास्ते में कुरूवां आश्रम के पास पीछे से एक बाइक सवार ने टक्कर मार दी।

जिला अस्पताल से लापता महिला की छत से गिरकर मौत,जांच शुरू

रात में वार्ड से गायब हुई मरीज,नीचे गंभीर हालत में मिली...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026
(घटती-घटना)।

जिला अस्पताल में भर्ती एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से स्वास्थ्य विभाग में हडक़ंप मच गया है। मरीज रात में वार्ड से अचानक गायब हो गई और बाद में अस्पताल परिसर में गंभीर हालत में मिली। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, विकासखंड बलरामपुर के ग्राम सेंदुर निवासी कलेश्वरी (50), पति रामधनी, को पेट दर्द और बुखार की शिकायत पर 27 अप्रैल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका इलाज जारी था। बीती रात करीब 12.30 बजे पति रामधनी और बेटी मंजू सिंह की नींद खुली तो उन्होंने देखा कि कलेश्वरी बिस्तर पर नहीं हैं। परिजनों ने अस्पताल के बाथरूम और आसपास के कमरों में तलाश की,

लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। परिजनों ने जब अस्पताल परिसर में नीचे खोजबीन की, तो कलेश्वरी छत से नीचे गिरी हुई गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिलीं। उन्हें तत्काल इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अंबिकापुर रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग में हडक़ंप मच गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि महिला छत पर कैसे पहुंची और घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच कराई जा रही है। फिलहाल मामले को संदिग्ध मानते हुए सभी पहलुओं पर जांच जारी है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर-रायगढ़ मार्ग पर स्थित दर्रीडीह के पास ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला गांव के ही एक व्यक्ति के साथ सीने में दर्द का उपचार कराने वैद्य के पास जा रही थी। जानकारी के अनुसार सोहनी पति प्रदेशिया राम उम्र 63 वर्ष ग्राम गंझाडांड़ थाना कोतवाली अंबिकापुर की रहने वाली थी। उसे सीने में दर्द था। 30 अप्रैल को गांव के ही सोनार साय के साथ बाइक से उपचार कराने वैद्य के पास ग्राम लालमाटी जा रही थी। रास्ते में अंबिकापुर-रायगढ़ मार्ग पर स्थित ग्राम दर्रीडीह के पास पीछे से ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। वहीं सोनार साय को मामूली चोट थी। गंभीर रूप से जख्मी महिला को इलाज के लिए रघुनाथपुर अस्पताल ले जाया गया।

दशगात्र कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री राजेश अग्रवाल,विवेक अंधारे को दी श्रद्धांजलि

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026
(घटती-घटना)।

प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निज सहायक श्री दीपक अंधारे के चचेरे भाई एवं बंदरचुआ, कुनकुरी निवासी श्री जोगेश्वर अंधारे के सुपुत्र स्वर्गीय श्री विवेक अंधारे के निधन उपरांत आयोजित दशगात्र कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिवारजनों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने का संबल दिया। मंत्री श्री अग्रवाल ने अपने शोक संदेश में कहा कि स्वर्गीय श्री विवेक अंधारे का अल्पायु में असामयिक निधन अत्यंत पीड़ादायक एवं हृदय विदारक है। उन्होंने कहा कि ऐसी अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन सभी को मिलकर परिवार का संबल बनना चाहिए। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। दशगात्र कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं क्षेत्रवासियों ने दिवंगत के व्यक्तित्व और उनके सरल स्वभाव को स्मरण करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

सोनहत के वनांचल में विकास की नई उड़ान...बुड़की नदी पर पांच करोड़ का पुल तैयार...अब थमेगा मुश्किलों का सफर

नवाटोला और देवतीडाण्ड के ग्रामीणों का दशकों पुराना सपना हुआ साकार उप-स्वास्थ्य केंद्र के नए भवन से स्वास्थ्य सुविधाओं में आएगा क्रांतिकारी बदलाव

पूर्ववर्ती सरकार में तत्कालीन विधायक गुलाब कमरो ने दिलाई थी स्वीकृति

-राजन पाण्डेय-

सोनहत (कोरिया),01 मई 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के विकासखण्ड सोनहत अंतर्गत सुदूर वनांचल ग्राम नवाटोला और देवतीडाण्ड हर्रा डीह के ग्रामीणों के लिए खुशियों की नई सुबह आई है,क्षेत्र की जीवनदायिनी मानी जाने वाली बड़की नदी पर 5 करोड़ की लागत से निर्मित भव्य पुल अब पूरी तरह बनकर तैयार है और इस पर आवागमन भी शुरू हो चुका है, इसके साथ ही देवतीडाण्ड में नवनिर्मित उप-स्वास्थ्य केंद्र का भवन भी पूर्ण हो चुका है। इन दोनों महत्वपूर्ण परियोजनाओं के धरातल पर उतरने से वनांचल में विकास का एक नया युग प्रारंभ हो गया है।

खत्म हुआ दशकों का जल-वनवास- विदित हो कि बड़की नदी पर पुल न होने के कारण बारिश के महीनों में नवाटोला और देवतीडाण्ड का संपर्क बाकी दुनिया से कट जाता था। ग्रामीण एक तरह से टापू में रहने को मजबूर थे, मरीजों को खाट पर लादकर उफनती नदी पार कराना या कई किलोमीटर का चक्कर लगाना यहाँ की नियति बन चुकी थी। अब पुल बन जाने और आवाजाही शुरू होने से ग्रामीणों का 'वनवास' खत्म हो गया है। व्यापारिक गतिविधियों के साथ-साथ अब बच्चों के लिए स्कूल और मरीजों के लिए अस्पताल की राह आसान हो गई है।

स्वास्थ्य सेवाओं में मील का पत्थरः अब नहीं जाना होगा भैसवार- पुल के साथ-साथ देवतीडाण्ड में बनकर तैयार हुआ उप-स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, अब तक इस क्षेत्र के लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए भी भैसवार तक का कठिन सफर तय करना पड़ता था, विशेषकर गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों के लिए बरसात के समय अस्पताल पहुँचना जान जोखिम में डालने जैसा था,अब गाँव में ही स्वास्थ्य केंद्र की सुविधा उपलब्ध होने से इलाज के अभाव में होने वाली अनहोनी पर लगाम लगेगी।

तत्कालीन विधायक गुलाब कमरो के प्रयासों की सफलता- इन विकास कार्यों की आधारशिला तत्कालीन विधायक गुलाब कमरो के कार्यकाल में रखी गई थी। ग्रामीणों की निरंतर मांग और पीड़ा को देखते हुए उन्होंने पिछली सरकार में शासन स्तर पर एड़ी-चोटी का जोर लगाकर करोड़ों की राशि स्वीकृत कराई थी, नवाटोला में स्वयं भूमिपूजन कर उन्होंने कार्य की गति और गुणवत्ता सुनिश्चित की। आज जब यह पुल और भवन बनकर तैयार हैं,तो ग्रामीण इसे पूर्व विधायक की दूरदर्शिता और 'भगीरथ प्रयास' का सुखद परिणाम मान रहे हैं।

इनका कहना है...

'मेरा संकल्प हमेशा वनांचल के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने का रहा है। नवाटोला और देवतीडाण्ड के भाइयों-बहनों ने बरसात में जो कष्ट सहा है, वह मेरी प्राथमिकता में था। आज जब पुल पर गाड़ियां चल रही हैं और अस्पताल तैयार है, तो मुझे आत्मसंतुष्टि है कि अब जनता को इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

गुलाब कमरो (पूर्व विधायक, भरतपुर-सोनहत)

'नवाटोला और देवतीडाण्ड के लोग वर्षों से इस सौगात की राह देख रहे थे। पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने जनभावनाओं को समझा और करोड़ों की राशि स्वीकृत कराकर काम चालू करवाया। आज जो बदलाव दिख रहा है, वह उनकी विकासवादी सोच का नतीजा है।

पुष्पेंद्र राजवाड़े (अध्यक्ष, जन सहयोग समिति)

कार्य में लापरवाही पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुन्नी के स्वीपर शिवरात्र तिर्की निलंबित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा बीते 02 अप्रैल 2026 को विकासखण्ड लखनपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुन्नी का औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान स्वीपर श्री शिवरात्र तिर्की अपने कार्य से बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाये गये एवं अपने कार्य के प्रति लापरवाही बरतना पाया गया। इस संबंध में कलेक्टर श्री वसंत के निर्देशानुसार उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। जिसका जवाब प्रेषित नहीं किया गया। जवाब अप्राप्त होने के कारण मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जांच दल गठित कर जांच करायी गयी, जांच प्रतिवेदन अनुसार यह पाया गया कि शिवरात्र प्राथमिक स्वा. केन्द्र कुन्नी में दैनिक उपस्थिति दर्ज कर संस्था से नदारद रहते हैं। उन्हें इस संबंध में कई बार चेतावनी एवं समझाइश दी गयी थी। कार्य में सुधार नहीं आने के कारण मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा आदेश जारी किया गया। जिसमें शिवरात्र तिर्की को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर मुख्यालय विकासखण्ड बतौली के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बटईकेला निर्धारित किया गया है। श्री शिवरात्र तिर्की को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में कास्मेटिक दुकानों की सघन जांच बिना बैच व एक्सपायरी उत्पाद बेचने पर रोक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा कलेक्टर, अंबिकापुर जिला सरगुजा के निर्देशानुसार 27 अप्रैल 2026 से 11 मई 2026 तक जिले में 15 दिवसीय सघन जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। 'सही दवा शुद्ध आहार, यही छत्तीसगढ़ का आधार' थीम के अंतर्गत अभियान के प्रथम चरण के चतुर्थ दिवस पर ग्रामीण क्षेत्रों में कास्मेटिक प्रतिष्ठानों की जांच की गई। 30 अप्रैल 2026 को कुल 08 कास्मेटिक प्रतिष्ठानों-रवि श्रृंगार, नीतू श्रृंगार, किवी सुपर मार्केट (लुण्ड्रा), नूर श्रृंगार, सहेली स्टोर, विविधा किराना स्टोर (बतौली), खुश्बू श्रृंगार एवं प्रज्ञा श्रृंगार (रघुनाथपुर)-का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कास्मेटिक उत्पादों के बैच क्रमांक, निर्माण तिथि एवं अवसान (एक्सपायरी) तिथि की जांच की गई। बिना बैच क्रमांक एवं निर्माण/अवसान तिथि वाले उत्पादों के विक्रय पर सख्त रोक लगाने के निर्देश दिए गए।

जनगणना 2027 प्रथम चरण में मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना प्रारंभ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026 (घटती-घटना)।

जिले में जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य आज से प्रारंभ हो गया है,जोकि 30 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस चरण के तहत जिले के प्रत्येक मकानों का भौतिक सत्यापन करते हुए उसकी स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं एवं अन्य मूलभूत जानकारियों का संकलन किया जाएगा। कलेक्टर अजीत वसंत ने जनगणना कार्यों की प्रगति का जायजा लेने हेतु ग्राम पंचायत आमदरहा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रगणकों से जनगणना प्रक्रिया की जानकारी ली तथा कार्य की गुणवत्ता के साथ समय पूर्व जनगणना कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीण नागरिकों को जागरूक करने के लिए मुनादी कराने के निर्देश भी दिए।

सीतापुर की घटना पर भाजपा विधिक प्रकोष्ठ की बैठक,आरोपियों की पैरवी न करने का निर्णय

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026 (घटती-घटना)।

सीतापुर में नाबालिग बच्चियों के साथ हुई सामूहिक बलात्कार की घटना के संदर्भ में भाजपा विधि प्रकोष्ठ की बैठक संपन्न हुई । भाजपा सरगुजा के जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के निर्देश पर आयोजित बैठक में उपस्थित अधिवक्ताओं एवं पदाधिकारियों ने घटना की कड़ी भर्त्सना करते हुए पीड़ित बच्चियों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की, तथा दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई की मांग की। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक एवं अधिवक्ता जनमेजय पांडेय ने बताया कि हम सब ने सर्व सहमति से पैरवी न करने का निर्णय लिया है, उन्होंने बताया कि अधिवक्ता गण उक्त जघन्य अपराध के आरोपियों की किसी भी प्रकार से न कानूनी सहायता करेंगे और न उनका केस लड़ेंगे । बैठक में यह भी कहा गया कि इस प्रकार के अमानवीय कृत्य समाज में असहनीय हैं और ऐसे अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

सुशासन तिहार 2026 के तहत बरकेला क्लस्टर में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

शिविर में 454 आवेदनों का विभागों द्वारा त्वरित निराकरण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिले में सुशासन तिहार 2026 के तहत गांव-गांव, द्वार द्वार सुशासन की सरकार पहुंच रही है जोकि 10 जून 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में आज अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बरकेला क्लस्टर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 25 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए और अपनी मांग एवं शिकायतों के लेकर 494 आवेदन दिए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा 454 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया। शेष आवेदनों को जांच पश्चात् आवेदकों को निराकरण की सूचना दी जाएगी।

प्रशासन आपके द्वार 27 विभागों ने लगाए स्टॉल : शिविर में कृषि, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, मत्स्य सहित कुल 27 विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा उपस्थित नागरिकों को शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी देते हुए योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया गया। वहीं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कई मांगों का मौके पर निराकरण करते हुए हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया गया।

मजदूर दिवस पर सिविल पेटी कांट्रेक्टर एसोसिएशन ने किया श्रमिकों का सम्मान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026 (घटती-घटना)।

मजदूर दिवस के अवसर पर सिविल पेटी कांट्रेक्टर एसोसिएशन सरगुजा संभागीय (छत्तीसगढ़) द्वारा खैरबार रोड स्थित शिव शक्ति इंडस्ट्रीज में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम ठेकेदार संघ के अध्यक्ष दीपक अगरिया के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सरगुजा संभाग के सदस्य आकाश सोनी, गुलाब खान, दीपांकर मजूमदार, सलीम, जयदीप मायती, रमेश खेड़िया, विपुल सहित बड़ी संख्या में मजदूर भाई उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्रमिकों को कपड़े, टोपी और गमछा देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी के लिए जलपान की भी व्यवस्था की गई। आयोजन के माध्यम से श्रमिकों के योगदान को सराहा गया और उनके सम्मान का संदेश दिया गया।

बलरामपुर में दर्दनाक सड़क हादसाः तेज रफ्तार ट्रक ने ली डिलेवरी बॉय की जान

-संवाददाता-
बलरामपुर,01 मई 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर बाईपास रोड से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से एक डिलेवरी बॉय की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि देखने वालों के रोंगटे खड़े हो गए।

500 मीटर तक घसीटता रहा ट्रक .. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,ट्रक की रफ्तार काफी तेज थी। बाइक सवार को टक्कर मारने के बाद ट्रक उसे करीब 500 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। इस दौरान बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और युवक के शरीर के परखच्चे उड़ गए।

हेलमेट भी नहीं बचा सका जान ...

हादसे के समय मृतक ने हेलमेट पहन रखा था, लेकिन टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हेलमेट भी उसकी जान नहीं बचा सका। यह हादसा सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार के खतरों को एक बार फिर उजागर करता है।

मृतक की पहचान .... मृतक की पहचान विकाश देवांगन के रूप में की गई है, जो पेशे से डिलेवरी बॉय था। उसकी अचानक हुई मौत से परिवार और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई है।

चुरैला नाले के पास हुई घटना... यह हादसा वाड्रफनगर क्षेत्र के चुरैला नाले के पास हुआ। यह इलाका पहले भी दुर्घटनाओं के लिए संवेदनशील माना जाता रहा है, जहां तेज रफ्तार और लापरवाही अक्सर हादसों का कारण बनती है।

ट्रक चालक फरार... हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है और आसपास के क्षेत्रों में जांच की जा रही है।

पुलिस पहुंची मौके पर,जांच जारी... घटना की सूचना मिलते ही वाड्रफनगर चौकी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है और ट्रक चालक की पहचान करने का प्रयास जारी है।

अंबिकापुर में मिली 1965 की हस्तलिखित पत्रिका उदगार की दुर्लभ पाण्डुलिपि

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर के गोधनपुर क्षेत्र में हस्तलिखित मासिक पत्रिका उदगार की दुर्लभ पाण्डुलिपि के चार अंक प्राप्त हुए हैं, जो पूर्व प्राचार्य श्री दिवाकर शर्मा के पास सुरक्षित पाए गए हैं। यह पत्रिका वर्ष 1965 में नगर के ख्यातिलब्ध साहित्यकार स्वर्गीय लक्षणधारी मिश्र द्वारा प्रारंभ की गई थी, जिसका पहला अंक मई 1965 में प्रकाशित हुआ था। राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत इन पाण्डुलिपियों का लोकेशन जियो-टैग करने का कार्य सर्वेयर अनूप बड़ा द्वारा किया गया। यह पाण्डुलिपियां अपने आप में विशिष्ट हैं, जिनमें प्रत्येक लेख को आकर्षक चित्रों के साथ सुसज्जित किया गया है। लगभग 50 पृष्ठों की इस पत्रिका के मई, जुलाई, अगस्त एवं अक्टूबर माह के अंक वर्तमान में सुरक्षित हैं। समय के प्रभाव से पाण्डुलिपियों की स्याही कई स्थानों पर धुंधली हो गई है तथा कागज भी क्षतिग्रस्त होने लगा है। ऐसे में श्री दिवाकर शर्मा द्वारा इनके संरक्षण हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

वे इनकी सामग्री को पुनः हस्तलिखित रूप में सुरक्षित करने का कार्य कर रहे हैं, जो पूर्वजों की अमूल्य धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में सराहनीय पहल है।

व्यक्तित्व विकास के लिए समर कैंप 'उमंग 2026' आज से शुरू

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मई 2026 (घटती-घटना)।

ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से विशेष समर कैंप 'उमंग 2026' का आयोजन आज, 2 मई शनिवार से किया जा रहा है। यह शिविर कक्षा छठवीं से ग्यारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया है। संस्था द्वारा आयोजित इस अनोखे कार्यक्रम में प्रतियोगिताएं, एकाग्रता बढ़ाने के उपाय, प्रेरणादायी क्लासेस, सांस्कृतिक गतिविधियां, चरित्र निर्माण, आंतरिक गुणों का विकास, आकर्षक उपहार तथा मेडिटेशन जैसी गतिविधियां शामिल रहेंगी। प्रतिदिन अलग-अलग अनुभवी शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया जाएगा।

कार्यालय कलेक्टर,बलरामपुर-रामानुजगंज, मुख्यालय बलरामपुर (छ0ग0)

Phone No- 9753356578, Fax No-273004, Email id- collectorbalrampur@gmail.com

निविदा सूचना

File No.:GENS/17649/2026 SECTION SENIOR CLEARK COLLECTORATE

बलरामपुर, दिनांक 23/04/2026

जिला बलरामपुर-रामानुजगंज, छ.ग. के समस्त शासकीय विभाग के अंतर्गत कार्यालयीन उपयोग हेतु वर्ष 2026-27 के लिये कम्प्यूटर सामग्री से संबंधित निविदा पूर्व में दिनांक 21.04.2026 को खोला गया जिसमें कम्प्यूटर क्रय से संबंधित प्राप्त निविदा एकल होने के कारण पूर्व में आमंत्रित निविदा को निरस्त कर, पुनः निविदा की अंतिम तिथि दिनांक 14/05/2026 को दोपहर 3:00 बजे तक निर्धारित है। इच्छुक फर्मों द्वारा निर्धारित तिथि तक निविदा प्रस्तुत किया जा सकता है तथा उक्त निविदा उसी दिन सायं 04.00 बजे निविदाकारों एवं समिति के समक्ष खोली जायेगी। विस्तृत जानकारी हेतु निविदा की प्रति जिला कार्यालय के सूचना पटल / वेबसाईट https:// Balrampur.nic.in पर देखी जा सकती है।

Digitally signed by
RAMESHWAR NATH PANDEY
Date: 29-04-2026 17:18:55

अपर कलेक्टर
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज
(छत्तीसगढ़)

जी नंबर-262700489/5

कार्यालय कलेक्टर जिला सरगुजा एवं पदेन उप सचिव छ0ग0 शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

-प्रारंभिक अधिसूचना -

क्रमांक /01/अ-82/25-26

अम्बिकापुर, दिनांक 24/04/2026

चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि नीचे अनुसूची के कॉलम (1) से (5) में दर्शित भूमि की अनुसूची के कॉलम (7) में दर्शित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधो के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन एतद् द्वारा अनुसूची के कॉलम नंबर (6) में उल्लेखित प्राधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 12 के अन्तर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए अधिकृत करता हूँ:-

- अनुसूची-

अर्जित भूमि का विवरण											धारा 12 द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम / प.ह.नं.	खसरा नं./क्षेत्रफल हेक्टेयर में									
1	2	3	4				5				6	7
सरगुजा	अम्बिकापुर	कंचनपुर /5	ख.नं.	रकबा	ख.नं.	रकबा	ख.नं.	रकबा	ख.नं.	रकबा	कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग कमांक-1 अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)	कंचनपुर जलाशय योजना के मुख्य नहर एवं डूब क्षेत्र हेतु ।
			318/21	0.202	318/22	0.360	318/24	0.081	318/25	0.486		
			318/27	0.405	318/29	0.405	318/30	0.405	318/20	0.330		
			318/37	0.038	412/2	0.016	414/2	0.056	484/2	0.074		
			347	0.016	318/36	0.038	318/19	0.038				
			कुल खसरा- 15 कुल रकबा 2.950 हे0									

02. यह भी सूचित किया जाता है, कि उपरोक्त भूमि में कोई भी हितबद्ध व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिवस के भीतर अर्जित की जाने वाली भूमि के क्षेत्रफल एवं उपयुक्तता, लोक प्रयोजन के औचित्य तथा सामाजिक समाघत निर्धारण के निष्कर्षो के बारे मे अपना दावा/आपत्ति लिखित में कलेक्टर को स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृति व्यक्ति के माध्यम से अधिनियम, 2013 की धारा 15 की उप-धारा (1) के अंतर्गत प्रस्तुत कर सकेगा।
03. भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के कार्यालय में किया जा सकता है ।
04. प्रस्तावित भू-अर्जन से किसी भी प्रभावित का विस्थापन निहित नही है ।
05. प्रस्तावित प्रयोजन के भू-अर्जन के लिए कराये गये सामाजिक समाघात अध्ययन के अनुसार भूमि का अर्जन अंतिम विकल्प के रुप में किया जाना प्रस्तावित है, तथा भूमि अर्जन से सामाजिक समाघात की तुलना में सामाजिक लाभ अधिक होना पाया गया है।
06. प्रस्तावित भू-अर्जन के लिए अधिनियम 2013 की धारा 43 के तहत अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर जिला सरगुजा को पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन प्रशासक नियुक्त किया गया है।

(फागेश सिन्हा)
भू-अर्जन अधिकारी
अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(अजीत वसंत)
कलेक्टर,
सरगुजा
एंव पदेन उप सचिव,छ0ग0शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी नंबर-262700430/1

‘सूत्रों का सनसनीखेज दावा’-क्या घुटरा जंगल की कार्रवाई पहले से ‘स्क्रिप्टेड’ थी?

छोटे फड़ पर शेर, बड़े जुए पर ढेर? मनेंद्रगढ़ में कार्रवाई या ‘इमेज मैनेजमेंट’ का खेल

छोटे जुए पर कार्रवाई,बड़े खेल पर चुप्पी – मनेंद्रगढ़ में ‘सेटिंग’ का सच!

रेड या रिहर्सल? जंगल में जुआ,फाइल में कार्रवाई और सवालों का अंबार

खबर छपी तो कार्रवाई हुई,लेकिन निशाना वही छोटा फड़!

जुआ पकड़ने से ज्यादा कहानी बचाने की कोशिश? मनेंद्रगढ़ पुलिस पर सवाल

57 हजार की बरामदगी,लाखों के खेल पर खामोशी आखिर किसे बचाया जा रहा है?

पुलिस आई,जुआरी बैठे रहे-कहानी में ट्विस्ट या पहले से तय प्लान?

जुआ नहीं मिला,पेड़ के नीचे पैसा मिल गया – ‘इंटेलिजेंस’ का कमाल!

जुआ पकड़ने से पहले कहानी लिखी गई? मनेंद्रगढ़ केस बना मिसाल

मनेंद्रगढ़ में जुए पर ‘दिखावटी सख्ती’,बड़े नेटवर्क पर रहस्यमयी खामोशी

छोटे पर वार, बड़े से प्यार? पुलिस कार्रवाई पर उठे तीखे सवाल

कार्रवाई या कवरअप? जुआ मामले में पुलिस की भूमिका पर संदेह गहराया

भूमिकाः खबर सही थी या संयोग भी अब संदिग्ध?

जब जवाब नहीं मिला,तो सवाल पूछने वाले पर ही केस बन गया

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर,01 मई 2026
(घटती-घटना)।

कहते हैं कि पत्रकारिता का काम सवाल उठाना है और प्रशासन का काम उन सवालों का जवाब देना,लेकिन मनेंद्रगढ़ में हालिया घटनाक्रम ने इस परंपरा को थोड़ा उल्टा कर दिया है,यहां सवाल भी वही निकले जो पहले उठाए गए थे, और जवाब भी वही मिले जिनकी पहले ही आशंका जताई गई थी, दैनिक घटती-घटना ने कुछ दिन पहले जिस ‘जुए के दोहरे नेटवर्क’ का खुलासा किया था एक छोटा दिखावटी फड़ और दूसरा बड़ा संगठित जाल–अब पुलिस की कार्रवाई ने मानो उस खबर को ‘प्रैक्टिकल डेमो’ में बदल दिया है, फर्क बस इतना है कि यहां अपराधी नहीं, बल्कि सवाल ज्यादा पकड़े गए हैं। बता दे की मनेंद्रगढ़ में जुए के खिलाफ कोतवाली पुलिस की हालिया कार्रवाई अब एक नए मोड़ पर पहुंच गई है,जहां एक ओर पुलिस इसे बड़ी सफलता बताकर अपनी सक्रियता दिखा रही है,वहीं दूसरी ओर सूत्रों से मिली जानकारी इस पूरी कार्रवाई की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है,दैनिक घटती-घटना में पहले प्रकाशित खबर के बाद हुई इस रेड को अब कई लोग ‘प्रेशर में की गई कार्रवाई’ ही नहीं, बल्कि ‘पूर्व नियोजित ऑपरेशन’ तक बता रहे हैं।

कार्रवाई का सरकारी संस्करण में जंगल में दबिश,5 जुआरी गिरफ्तार

कोतवाली मनेंद्रगढ़ पुलिस ने 27 अप्रैल को घुटरा-सलवा जंगल में रेड कार्रवाई करते हुए 5 जुआरियों को गिरफ्तार किया, पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना पर की गई और टीम ने बड़ी चतुराई से ग्रामीण वेशभूषा में पहुंचकर आरोपियों को धर दबोचा, कार्रवाई में कुल ?57,000 नगद, 4 ताश की गड्डियां और एक तिरपाल जब्त किया गया, आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई, कागजों में यह कार्रवाई पूरी तरह ‘सफल’ और ‘प्रभावी’ नजर आती है,लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती–असल कहानी तो यहीं से शुरू होती है।

सूत्रों का खुलासा ये रेड नहीं, ‘रेडीमेड ऑपरेशन’?

पड़ताल में सामने आई जानकारी इस कार्रवाई को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है,सूत्रों के अनुसार यह पूरी कार्रवाई किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं थी जहां क्लाइमैक्स पहले से तय था और कलाकारों को अपने-अपने किरदार पता थे,बताया जाता है कि थाना प्रभारी को पहले से ही पूरी जानकारी थी इतनी सटीक कि पैसा किस पेड़ के नीचे छुपाया गया है,यह भी मालूम था, अब सवाल यह है कि इतनी ‘परफेक्ट इंटेलिजेंस’ अगर थी,तो फिर यह नेटवर्क पहले क्यों नहीं पकड़ा गया? या फिर यह इंटेलिजेंस सिर्फ उसी दिन ‘एक्टिव’ हुई, जिस दिन खबर का दबाव बढ़ा?

जुआरी या दर्शक? 100 मीटर से पुलिस दिखी,फिर भी आराम

सूत्रों के अनुसार पुलिस जब मौके पर पहुंच रही थी, तब जुआरियों को लगभग 100 मीटर दूर से ही पुलिस की भनक लग चुकी थी,सामान्य परिस्थितियों में यह खबर मिलते ही भगदड़ मच जाती है,लेकिन यहां दृश्य कुछ अलग ही था,बताया गया कि आरोपी आराम से बैठे थे और बिरयानी खा रहे थे गांजा पी रहे थे और सबसे खास–कोई जुआ खेलता हुआ नहीं दिखा, अब यह स्थिति ऐसी है जैसे परीक्षा में छात्र को पहले से प्रश्नपत्र मिल जाए और वह निश्चिंत होकर चाय पीते हुए इंतजार करे कि निरीक्षक कब आएगा।

मोबाइल नहीं, नेटवर्क नहीं – या जांच ही नहीं...

इस पूरे मामले का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि गिरफ्तार 5 जुआरियों के पास से एक भी मोबाइल जब्त नहीं किया गया, आज के डिजिटल युग में जुआ नेटवर्क मोबाइल और संपर्क साधनों के बिना चलना लगभग असंभव है, ऐसे में मोबाइल का न मिलना दो ही बातों की ओर इशारा करता है या तो यह वास्तव में ‘छोटा फड़’ था, या फिर जांच को जानबूझकर सीमित रखा गया।

कानूनी कार्रवाई भी ‘लाइट वर्जन’?

आरोपियों पर केवल जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई, जबकि अन्य संभावित धाराएं–जैसे 151–नहीं लगाई गई, यह ऐसा ही है जैसे कोई बड़ा अपराध पकड़कर भी उसे ‘छोटी गलती’ के रूप में दर्ज कर दिया जाए, ताकि मामला ज्यादा आगे न बढ़े।

खबर के बाद कार्रवाई : टाइमिंग पर भी सवाल

इस पूरी कार्रवाई की टाइमिंग भी सवालों के घेरे में है, खबर प्रकाशित होने के तुरंत बाद ही यह रेड होती है और ठीक उसी ‘छोटे फड़’ पर होती है,जिसका जिक्र पहले किया गया था, ऐसे में यह संयोग कम और ‘प्रतिक्रिया आधारित प्रबंधन’ ज्यादा लगता है।

व्यंग्यात्मक सच्चाई : ‘नाटक सफल रहा,दर्शक असंतुष्ट’

अगर इस पूरे घटनाक्रम को व्यंग्य में समझें,तो यह एक ऐसा नाटक है जहां स्क्रिप्ट पहले से लिखी गई,कलाकारों को रोल समझा दिए गए,मंच सजाया गया और अंत में तालियां भी बजीं,लेकिन दर्शक (जनता) संतुष्ट नहीं हुई, क्योंकि उन्हें असली कहानी पता है।

असली कार्रवाई अभी बाकी

घुटरा जंगल की यह कार्रवाई भले ही रिकॉर्ड में दर्ज हो गई हो, लेकिन यह सवालों के जंगल में उलझ गई है, जब तक बड़े नेटवर्क पर कार्रवाई नहीं होती, जांच पारदर्शी नहीं होती,और जिम्मेदारी तय नहीं होती तब तक ऐसी कार्रवाइयां सिर्फ ‘दिखावटी सख्ती’ के तौर पर ही देखी जाएंगी, मनेंद्रगढ़ में जुए के खिलाफ असली लड़ाई अभी बाकी है–और यह लड़ाई सिर्फ अपराधियों से नहीं, बल्कि उस सोच से है जो ‘छोटे को पकड़ो,बड़े को छोड़ो’ पर चलती है।

जब जवाब नहीं मिला,तो सवाल पूछने वाले पर ही केस बन गया

‘खबर गलत है’ नहीं कह पाए, तो ‘पत्रकार गलत है’ कह दिया-मनेंद्रगढ़ के जुआ प्रकरण में अब कहानी इतनी दिलचस्प मोड़ पर आ गई है कि लगता है जैसे जांच नहीं, बल्कि चरित्र परीक्षण चल रहा हो और वह भी अपराधियों का नहीं, पत्रकार का, सूत्रों के मुताबिक,जब खबर ने पुलिस महकमे में हलचल मचाई, तो पुलिस अधीक्षक स्तर पर संज्ञान लिया गया और कोतवाली प्रभारी से जवाब मांगा गया, अब यहां उम्मीद थी कि जवाब तथ्यों पर आधारित होगा कहां कार्रवाई हुई, कैसे हुई, क्या मिला, क्या नहीं मिला, लेकिन जवाब कुछ अलग ही निकला, बताया गया कि कोतवाली प्रभारी ने अपने बचाव में यह कहा कि खबर लिखने वाला पत्रकार ‘रात में शराब पीकर खबर लिखता है’ और ‘पुलिस का विरोधी है ‘, इसलिए खबर का मकसद केवल बदनाम करना है, अब सवाल यह है कि क्या खबर का जवाब खबर से नहीं, बल्कि पत्रकार की आदतों से दिया जाएगा? अगर खबर गलत थी, तो तथ्य रखिए, सबूत दीजिए, खंडन करिए, लेकिन यहां तो पूरी बहस ही बदल दी गई मुद्दाः जुआ ? बहसः पत्रकार की जिंदगी। यह वही क्लासिक रणनीति है, जिसमें गेंद को मैदान से बाहर फेंक दिया जाता है ताकि मैच ही रुक जाए।

मुखबिर तंत्र का कमाल जुआ नहीं दिखा पर पत्रकार की दिनचर्या दिख गई?-अब इस पूरे मामले का सबसे ‘रोमांचक’ हिस्सा सुनिए, जिस पुलिस का मुखबिर तंत्र बड़े जुआ नेटवर्क तक पहुंचने में अक्सर चूक जाता है,वही तंत्र पत्रकार की निजी आदतों तक की जानकारी बड़े आत्मविश्वास से दे रहा है, मतलब जुआ कहां चल रहा है,यह स्पष्ट नहीं लेकिन पत्रकार रात में क्या करता है, यह पूरी डिटेल में उपलब्ध है! यह ऐसी ‘इंटेलिजेंस’ है,जिस पर शोध होना चाहिए,क्योंकि आमतौर पर मुखबिर अपराध की जानकारी देता है, लेकिन यहां तो लगता है कि मुखबिर ने ‘पर्सनल प्रोफाइलिंग सर्विस’ भी शुरू कर दी है, अब सवाल यह है कि क्या यह जानकारी वाकई जांच का हिस्सा है? या फिर यह केवल एक ‘कहानी’ है, जो अपने अधिकारी को सुनाकर माहौल हल्का किया जा सके? और अगर यही सूचना तंत्र है, तो फिर यह समझना मुश्किल नहीं कि बड़े नेटवर्क तक पहुंच क्यों नहीं बन पाती क्योंकि ध्यान जुए पर कम और पत्रकार पर ज्यादा है।

पैसे की बरामदगी: ‘खोजो और पाओ’ या ‘पहले से जानो’?

मौके से तत्काल 7,000 बरामद हुए, जबकि बाकी 50,000 (दो बंडलों में 25-25 हजार) पेड़ों के नीचे से मिले, सूत्रों का दावा है कि थाना प्रभारी ने खुद कहा– ‘ये लोग पैसा छुपाते हैं, पेड़ों के नीचे देखो।’ और फिर ठीक उसी तरह पैसे मिल भी गए, यह घटनाक्रम किसी सामान्य जांच से ज्यादा ‘गाइडेड टूर’ जैसा लगता है, जहां गाइड पहले ही बता देता है कि खजाना कहां मिलेगा।

बड़ा नेटवर्क अब भी सुरक्षित?-

सबसे अहम सवाल यह है कि क्या जिले में केवल यही एक जुआ अड्डा था? या फिर बड़े नेटवर्क अब भी सक्रिय हैं? स्थानीय लोगों का मानना है कि बड़े स्तर पर जुआ अब भी जारी है, जहां लाखों का खेल होता है, लेकिन वहां तक पुलिस की पहुंच नहीं बन पाती–या शायद बनाई नहीं जाती।

विश्वसनीयता का सवाल: जनता क्या सोचे?-

इस तरह की कार्रवाइयों का सबसे बड़ा असर जनता के भरोसे पर पड़ता है, जब लोगों को यह लगता है कि बड़े लोग बच रहे हैं, छोटे लोगों पर ही कार्रवाई हो रही है, तो कानून व्यवस्था की छवि कमजोर होती है।

प्रमोशन की दहलीज पर तर्कों की गिरावट या रणनीति की ऊंचाई?- इस पूरे घटनाक्रम का तीसरा और सबसे अहम पहलू है वह व्यक्ति जो यह सफाई दे रहा है, वह कोई नया अधिकारी नहीं, बल्कि जल्द ही डीएसपी बनने की कतार में खड़ा है, अब यहां दो संभावनाएं बनती हैं या तो अनुभव की कमी है, या फिर यह एक सोची-समझी रणनीति है, क्योंकि एक वरिष्ठ अधिकारी अगर अपने बचाव में यह कहे कि ‘पत्रकार दारू पीकर खबर लिखता है ‘,तो यह तर्क कम और बहाना ज्यादा लगता है, और अगर यह जानकारी किसी अधीनस्थ सुपर कॉप प्रधान आरक्षक जिसे व्यंग्य में ‘कमाऊ पुत्र’ कहा जा रहा है से आई है, और उसी पर भरोसा कर लिया गया,तो यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है,क्योंकि तब सवाल सिर्फ एक खबर का नहीं,बल्कि पूरे निर्णय तंत्र का हो जाता है।

डिस्क्लेमर (अस्वीकरण)- यह समाचार उपलब्ध जानकारी एवं सूत्रों पर आधारित है,इसमें व्यक्त कुछ बातें प्रारंभिक पड़ताल और व्यंग्यात्मक विश्लेषण का हिस्सा हैं, किसी भी पक्ष को आपत्ति होने पर वह अपना आधिकारिक स्पष्टीकरण प्रस्तुत कर सकता है, जिसे स्थान दिया जाएगा।

घटती घटना | कोरिया- सूरजपुर समाचार | अम्बिकापुर सोमवार 27 अप्रैल 2026 | 5

सूरजपुर में शिकंजा,एमसीबी में फैलता जुए का जाल...मनेंद्रगढ़ बना नया ‘हब’?

दोहरी रणनीति,बदलते ठिकाने और संदिग्ध संरक्षण-संगठित जुआ नेटवर्क पर गंभीर सवाल,आईजी सरगुजा के लिए बढ़ी चुनौती

- छोटा फड़ दिखावा,बड़ा खेल जारी–मनेंद्रगढ़ में संगठित जुए का खुलासा
- सूरजपुर के बाद अब एमसीबी निशाने पर...मनेंद्रगढ़ बना जुए का हब
- लोकेशन बदल-बदल कर चल रहा जुआ,पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल
- जुए का ‘डबल गेम’: कार्रवाई कहीं,असली फड़ कहीं और...
- सूरजपुर से खदेड़ा तो मनेंद्रगढ़ में जमाया डेरा–जुआ नेटवर्क सक्रिय
- जुए का हाईटेक खेल: नो मोबाइल,बदलते ठिकाने और संगठित नेटवर्क
- मनेंद्रगढ़ में जुए का बड़ा जाल? छोटे फड़ की आड़ में बड़ा कारोबार
- कार्रवाई के बाद भी नहीं थमा जुआ,एमसीबी में फिर सक्रिय हुआ नेटवर्क

मनेंद्रगढ़ में जुए का फड़!

पुलिस की भूमिका पर उठते सवाल- इस पूरे मामले में सबसे गंभीर पहलू है

थाना प्रभारी और साइबर सेल भी सवालों के घेरे में...

आईजी सरगुजा के लिए बढ़ती चुनौती

मनेंद्रगढ़ में जुए पर कार्रवाई या सिर्फ औपचारिकता? छोटे खिलाड़ी गिरफ्तार,बड़े गायब

छोटे फड़ पर कार्रवाई, बड़े जुआ नेटवर्क पर चुप्पी-सवालों के घेरे में पुलिस

बड़े जुआ नेटवर्क पर सवाल बरकरार

पुलिस का दावा लगातार चल रहे अभियान

मुद्दा जुआ नहीं,नजरिया बन गया है...

इस पूरे प्रकरण में सबसे बड़ा व्यंग्य यही है कि जुआ पकड़ा गया या नहीं, यह अब द्वितीयक हो गया है असली चर्चा यह है कि पत्रकार कैसा है यह वैसा ही है जैसे घर में चोरी हो जाए और जांच इस बात पर शुरू हो जाए कि पड़ोसी रात को कितने बजे सोता है? अगर खबर गलत है, तो उसे तथ्य से गलत साबित कीजिए, अगर खबर सही है,तो कार्रवाई को और मजबूत कीजिए,लेकिन अगर दोनों में से कुछ भी नहीं किया गया और केवल सवाल पूछने वाले को ही कठघरे में खड़ा कर दिया गया, तो यह न तो प्रशासन के लिए अच्छा संकेत है और न ही व्यवस्था के लिए, अंत में यही कहा जा सकता है सवालों से भागने का सबसे आसान तरीका है सवाल पूछने वाले को ही सवाल बना देना, जिस में अधीनस्थ सुपर कॉप प्रधान आरक्षक माहिर है, लेकिन हर बार यह तरीका काम कर जाए,ऐसा भी नहीं होता।

(अगले अंक में): सट्टा कार्रवाई या अधूरी जांच? अब उठेंगे असली सवाल

मनेंद्रगढ़ में जुए और सट्टे के खिलाफ हालिया कार्रवाई ने जितनी सुर्खियां बटोरी हैं, उससे कहीं ज्यादा सवाल अपने पीछे छोड़ दिए हैं, अब तक जो सामने आया, वह केवल ‘कार्रवाई’ का एक हिस्सा था–लेकिन असली कहानी उस कार्रवाई की परतों में छुपी है, जिसे अभी खोलना बाकी है, अगले अंक में दैनिक घटती घटना इन परतों को विस्तार से खोलेगा और यह बताएगा कि आखिर इस कार्रवाई में ऐसी कौन-कौन सी कमियां थीं, जो एक गंभीर जांच को सिर्फ औपचारिकता बनाकर छोड़ देती हैं।

सोनहत का 'शिक्षा मॉडल' बना मिसाल,स्वामी आत्मानंद स्कूल ने चौथे वर्ष भी दोहराया 100 प्रतिशत परिणाम

सोनहतः शिक्षा में निरंतर उत्कृष्टता की नई पहचान

-राजन पाण्डेय-

कोरिया/सोनहत,01 मई 2026 (घटती-घटना)। शिक्षा के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करते हुए स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, सोनहत ने एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन से सबका ध्यान आकर्षित किया है, शैक्षणिक सत्र 2025-26 की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में विद्यालय ने शत-प्रतिशत (100%) परिणाम हासिल कर लगातार चौथे वर्ष अपनी उत्कृष्टता सिद्ध की है,वर्ष 2021 में स्थापना के बाद से विद्यालय का यह निरंतर प्रदर्शन न केवल उसकी शैक्षणिक गुणवत्ता को दर्शाता है,बल्कि यह भी साबित करता है कि सही दिशा,नेतृत्व और समर्पण से शासकीय संस्थान भी उत्कृष्टता के शिखर तक पहुंच सकते हैं।

मैरिट सूची में सोनहत का दबदबा

इस वर्ष विद्यालय के चार प्रतिभाशाली विद्यार्थियों स्वाति सिंह, मुस्कान पटेल, त्रिवेंद्र कुशवाहा और सौम्या यादव ने जिला मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर विद्यालय और सोनहत क्षेत्र का नाम रोशन किया है, इन विद्यार्थियों की उपलब्धि ने यह साबित कर दिया कि ग्रामीण क्षेत्र के छात्र भी सही मार्गदर्शन मिलने पर बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं।

परिणामों पर एक नजरः हर स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन

कक्षा 12वीं के परिणामों में विद्यालय के 8 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 11 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए, शेष सभी छात्र-छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए, वहीं कक्षा 10वीं में 20 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए और बाकी सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में सफल रहे, यह आंकड़े न केवल उच्च सफलता दर को दर्शाते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि विद्यालय में गुणवत्ता आधारित शिक्षा दी जा रही है।

'नो फेलियर,नो थर्ड डिवीजन' अनोखी उपलब्धि

विद्यालय की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि स्थापना से लेकर अब तक एक भी विद्यार्थी अनुत्तीर्ण नहीं हुआ है और न ही किसी ने तृतीय श्रेणी प्राप्त की है, किसी भी शासकीय विद्यालय के लिए यह उपलब्धि अत्यंत दुर्लभ मानी जाती है, यही कारण है कि स्वामी आत्मानंद विद्यालय, सोनहत अब पूरे क्षेत्र के लिए एक आदर्श शिक्षा संस्थान बन चुका है।

प्राचार्य का संदेश : टीम वर्क से मिली सफलता

प्राचार्य आर.के. मिश्रा ने इस शानदार परिणाम पर सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्टाफ को बधाई दी, उन्होंने कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रयास का परिणाम है और इसमें जिला प्रशासन का विशेष योगदान रहा है, उन्होंने विशेष रूप से कलेक्टर चंदन त्रिपाठी के दूरदर्शी नेतृत्व और सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में विद्यालय में संसाधनों की उपलब्धता और नवाचार को बढ़ावा मिला, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हुआ।

सफलता के स्तंभ में नेतृत्व, समर्पण और योजना-

विद्यालय की इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे कई महत्वपूर्ण कारक हैं, स्वामी आत्मानंद जिला स्तरीय समिति की अध्यक्ष एवं कलेक्टर चंदन त्रिपाठी तथा सदस्य सचिव एवं जिला शिक्षा अधिकारी विनोद राय का कुशल मार्गदर्शन इस उपलब्धि का आधार रहा है, वहीं प्राचार्य आर.के. मिश्रा के प्रभावी नेतृत्व और शिक्षकों के समर्पण ने इस विजन को साकार किया है, नियमित समीक्षा, सख्त शैक्षणिक अनुशासन और व्यक्तिगत मार्गदर्शन ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन को नई ऊंचाई तक पहुंचाया है।

शिक्षा मॉडल की खासियत-

इस विद्यालय के 'शिक्षा मॉडल' को सफल बनाने में कुछ विशेष तत्वों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, यहां अनुभवी और समर्पित शिक्षक नियमित मूल्यांकन के माध्यम से हर छात्र पर व्यक्तिगत ध्यान देते हैं, कॉन्सेप्ट आधारित पढ़ाई और नैतिक मूल्यों पर जोर दिया जाता है, साथ ही विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार किया गया है, जिससे उनमें आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित होती है।

जिला प्रशासन की भूमिकाः दूरदर्शिता और सतत निगरानी-

जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर की गई समीक्षा,कड़े दिशा-निर्देश और शिक्षा के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण ने इस सफलता में अहम भूमिका निभाई है,कलेक्टर के नेतृत्व में प्रशासन ने न केवल संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की, बल्कि नवाचारी शिक्षण पद्धतियों को भी बढ़ावा दिया, इससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ा और शिक्षकों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिली।

ग्रामीण शिक्षा का नया मॉडल

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय,सोनहत की यह सफलता केवल एक स्कूल की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह पूरे जिले और प्रदेश के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है,लगातार चार वर्षों तक 100 प्रतिशत परिणाम हासिल करना इस बात का प्रमाण है कि यदि सही नेतृत्व, संसाधन और समर्पण मिल जाए,तो सरकारी स्कूल भी उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं, अब यह 'सोनहत मॉडल' अन्य विद्यालयों के लिए भी एक मार्गदर्शक बन सकता है,जिससे शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार की दिशा में कदम बढ़ाए जा सकते हैं।

अपराध समीक्षा बैठक में एसएसपी के निर्देश कहा जवाबदेही और पारदर्शिता के साथ करें पुलिसिंग

-संवाददाता-

सूरजपुर,01 मई 2026 (घटती-घटना)। जिले में अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के त्वरित निराकरण और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 30 अप्रैल 2026 को जिला पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर द्वारा अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई, बैठक में राजपत्रित अधिकारी तथा सभी थाना-चौकी प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक में एसएसपी ने निर्देशित किया कि पुलिसिंग में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, अवैध गतिविधियों जैसे शराब,गांजा एवं नशीले इंजेक्शन की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए,कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी गई, लंबित मामलों की समीक्षा के दौरान निराकरण की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए प्रभारियों को निर्देश दिया गया कि आरोपियों की पतासाजी कर शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करें तथा प्रकरणों का विधिसम्मत निराकरण करें, साइबर एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए, साथ ही हिट एंड रन मामलों में पीड़ित अथवा उनके परिजनों को निर्धारित समय-सीमा में राहत राशि दिलाने हेतु आवश्यक प्रकरण तैयार कर भेजने को कहा गया, थाना-चौकी स्तर पर जब्त माल के निराकरण को प्राथमिकता देने, आम जनता की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने तथा सीसीटीएनएस में एफआईआर सहित सभी प्रविष्टियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को तकनीकी रूप से अद्यतन रहकर कार्य करने के लिए भी कहा गया,इसके अतिरिक्त सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित शिविरों में थाना-चौकी प्रभारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए,बैठक में एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा,सीएसपी बेनार्ड कुजूर,डीएसपी अनूप एक्का,डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप सहित जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

दिवंगत शिक्षकों के परिजनों को अनुग्रह राशि का भुगतान,संघ ने जताया आभार

-संवाददाता-

सूरजपुर 01 मई 2026 (घटती-घटना)। विकासखंड रामानुजनगर में विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा त्वरित पहल करते हुए दो दिवंगत शिक्षकों के परिजनों को अनुग्रह राशि प्रदान की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्व. हरमेन राकेश मिंज (सहायक शिक्षक, प्राथमिक शाला हरिजनपारा तेलाईमुड़ा) तथा स्व. श्रीनाथ खंडे (प्रधान पाठक,प्राथमिक शाला छिवलहियापारा) का हाल ही में निधन हो गया था, श्रीनाथ खंडे का 25 अप्रैल को स्वास्थ्य कारणों से तथा हरमेन राकेश मिंज का सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन हुआ था, संयुक्त शिक्षक संघ द्वारा मामले की जानकारी कार्यालय को दिए जाने के बाद विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों दिवंगत शिक्षकों के परिजनों को उनके निवास पर पहुंचकर अनुग्रह राशि का भुगतान कराया। यह प्रक्रिया एक ही दिन में पूर्ण की गई, शासकीय सेवा के दौरान कर्मचारी के निधन पर उनके आश्रितों को नियमानुसार अनुग्रह राशि प्रदान की जाती है। इस क्रम में विभाग द्वारा संवेदनशीलता दिखाते हुए शीघ्र सहायता उपलब्ध कराई गई, स्व. हरमेन राकेश मिंज के परिजनों को राशि प्रदान करते समय विकासखंड शिक्षा कार्यालय से राजाराम, संयुक्त शिक्षक संघ के संभाग अध्यक्ष राकेश शुक्ला एवं ब्लॉक अध्यक्ष राधेश्याम साहू उपस्थित रहे, वहीं स्व. श्रीनाथ खंडे के परिजनों को अनुग्रह राशि प्रदान करने के दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी धरम साय लकड़ा,बीपीओ रविनाथ तिवारी,विक्रम सिंह, उत्तम सिंह भैना, जनशिक्षक शिवनारायण सिंह,संजीव कुमार मिश्रा तथा रामसाय उपस्थित रहे,संयुक्त शिक्षक संघ रामानुजनगर के ब्लॉक अध्यक्ष राधेश्याम साहू ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा की गई त्वरित पहल के लिए आभार व्यक्त किया है।

स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त....'सही दवा-शुद्ध आहार' अभियानः सोनहत में खाद्य व औषधि विभाग की संयुक्त दबिश,एक्सपायरी सामान मौके पर नष्ट

-संवाददाता-

कोरिया/ सोनहत,01 मई 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ शासन के संकल्प 'सही दवा-शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार' को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए जिला प्रशासन कोरिया पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिले में चलाए जा रहे 15 दिवसीय सघन जांच अभियान के तहत गुरुवार को सोनहत विकासखंड में बड़ी कार्रवाई की गई, अभियान के चौथे दिन खाद्य एवं औषधि विभाग की संयुक्त टीम ने बाजार क्षेत्र में औचक निरीक्षण कर दुकानदारों और दवा विक्रेताओं में हड़कंप मचा दिया।

दुकानों से ठेलों तक सघन जांच,हर स्तर पर कार्रवाई

जांच टीम ने सोनहत के मुख्य बाजार में बड़े प्रतिष्ठानों के साथ-साथ छोटे व्यापारियों को भी जांच के दायरे में लिया, मिठाई दुकानें, किराना स्टोर, आइसक्रीम पार्लर,दवा दुकानें और यहां तक कि गुपचुप के ठेलों तक की बारीकी से जांच की गई, निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने खाद्य सामग्री की गुणवत्ता,भंडारण व्यवस्था और स्वच्छता के स्तर को परखा। कई जगहों पर अनियमितताएं सामने आने पर तत्काल कार्रवाई भी की गई।

दवा दुकानों पर विशेष नजर, रिकॉर्ड का मिलान-औषधि प्रकोष्ठ की टीम ने ग्रामीण क्षेत्रों की दवा दुकानों और कॉस्मेटिक सेंटरों का भी निरीक्षण किया, इस दौरान दवाइयों के स्टॉक,उनकी गुणवत्ता और क्रय-विक्रय रिकॉर्ड (ट्रेसबिलिटी) की जांच की गई, अधिकारियों ने पाया कि कुछ स्थानों पर रिकॉर्ड संधारण में लापरवाही बरती जा रही है, जिस पर सुधार के निर्देश दिए गए।

दवा विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देशः केवल अधिकृत स्त्रोत से खरीदी- निरीक्षण के दौरान दवा विक्रेताओं को सख्त हिदायत दी गई कि वे दवाइयों की खरीदी केवल अधिकृत डीलरों से ही करें, अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बाहरी राज्यों के अनियमित स्त्रोतों से दवा मंगाना नियमों का उल्लंघन माना जाएगा और इस पर कार्रवाई की जाएगी, साथ ही तापमान संवेदनशील दवाओं के लिए कोल्ड चेन बनाए रखना अनिवार्य बताया गया।

कॉस्मेटिक उत्पादों की भी जांच, नकली सामान पर नजर

टीम ने सौंदर्य प्रसाधनों की दुकानों में भी जांच की और उत्पादों के बैच नंबर, लेबलिंग और गुणवत्ता की पड़ताल की, नकली और डुप्लिकेट उत्पादों के बढ़ते खतरे को देखते हुए विक्रेताओं को केवल लाइसेंसधारी कंपनियों से ही सामान खरीदने के निर्देश दिए गए, अधिकारियों ने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों का संदेश : स्वास्थ्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं- अधिकारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आम जनता के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, उन्होंने बताया कि यह अभियान 11 मई तक लगातार जारी रहेगा और जांच के दायरे को और व्यापक किया जाएगा,नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यापारियों और दवा विक्रेताओं पर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

एक्सपायरी सामान मौके पर नष्ट, लाइसेंस पर सख्ती-

जांच के दौरान जिन दुकानों में एक्सपायरी खाद्य सामग्री पाई गई, उसे मौके पर ही नष्ट कराया गया, इसके साथ ही बिना पंजीयन संचालित हो रहे प्रतिष्ठानों को तत्काल लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए गए, अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति व्यापार करना नियमों का उल्लंघन है और भविष्य में ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वच्छता और भंडारण पर कड़ी चेतावनी-

निरीक्षण के दौरान कई दुकानों में स्वच्छता मानकों की अनदेखी भी सामने आई, टीम ने दुकानदारों को साफ-सफाई बनाए रखने, खाद्य सामग्री के सही भंडारण और कोल्ड चेन के पालन के निर्देश दिए, विशेष रूप से तापमान नियंत्रित उत्पादों जैसे आइसक्रीम और डेयरी आइटम के लिए उचित व्यवस्था रखने पर जोर दिया गया।

जागरूकता और सख्ती दोनों जरूरी

सोनहत में की गई यह कार्रवाई न केवल प्रशासन की सक्रियता को दर्शाती है, बल्कि यह भी संदेश देती है कि खाद्य और दवा सुरक्षा के मामले में अब किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं चलेगी, यह अभियान उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन इसके साथ ही आम जनता और व्यापारियों की जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है, आने वाले दिनों में इस अभियान के परिणाम जिले में खाद्य और औषधि गुणवत्ता को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

पीट एनडीपीएस एक्ट का शिकंजा...आदतन ड्रग तस्कर को 3 माह की सजा,सूरजपुर पुलिस की सख्ती जारी

-संवाददाता-

सूरजपुर,01 मई 2026 (घटती-घटना)। जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर लगाम कसने के लिए पुलिस प्रशासन अब पूरी तरह आक्रामक मोड में नजर आ रहा है, एनडीपीएस एक्ट के तहत लगातार कार्रवाई के बाद अब आदतन अपराधियों पर पीट एनडीपीएस एक्ट के जरिए शिकंजा कसा जा रहा है। सरगुजा रेंज के आईजी दीपक कुमार झा के सख्त निर्देशों और ड्रग पैडलर्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का असर जमीनी स्तर पर साफ दिखाई दे रहा है,वहीं प्रशांत कुमार ठाकुर (डीआईजी व एसएसपी,सूरजपुर) के नेतृत्व में पुलिस ने ऐसे अपराधियों की पहचान कर उनके खिलाफ ठोस कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है, जो बार-बार मादक पदार्थों के मामलों में लिप्त पाए जा रहे हैं।

कमिश्नर कोर्ट में पेश हुआ मामला, सुनवाई के बाद सजा- पुलिस द्वारा तैयार किए गए प्रकरण को सरगुजा संभाग कमिश्नर कोर्ट में प्रस्तुत किया गया, जहां नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने 29 अप्रैल 2026 को मामले की सुनवाई पूरी की, सुनवाई के बाद पीट एनडीपीएस एक्ट 1988 की धारा 3 सहपठित धारा 10 के तहत आरोपी

विकास राव (निवासी शिवनंदनपुर,थाना विश्रामपुर) को 3 माह की जेल की सजा सुनाई गई। आदेश जारी होते ही पुलिस ने आरोपी को जिला जेल भेज दिया।

आदतन अपराधियों पर विशेष फोकस- सूरजपुर पुलिस की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य केवल एक मामले में सजा दिलाना नहीं, बल्कि ऐसे अपराधियों को चिन्हित करना है जो बार-बार ड्रग तस्करी या अवैध मादक पदार्थों के कारोबार में शामिल रहते हैं, पुलिस अब पीट एनडीपीएस एक्ट के तहत ऐसे आरोपियों के खिलाफ प्रिवेंटिव एक्शन लेकर उन्हें पहले ही नियंत्रित करने की रणनीति अपना रही है, ताकि वे दोबारा अपराध करने की स्थिति में न पहुंच सकें।

ड्रग नेटवर्क पर लगाम कसने की रणनीति

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई एक बड़े अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत ड्रग सप्लाई चेन को तोड़ने पर जोर दिया जा रहा है, आदतन अपराधियों की निगरानी बढ़ाई गई है, कानूनी प्रावधानों का अधिकतम उपयोग किया जा रहा है।

संदेश साफ है अब नहीं चलेगा नशे का कारोबार

इस कार्रवाई के जरिए प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि सूरजपुर में नशे के अवैध कारोबार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, पुलिस की इस सख्ती से न केवल अपराधियों में डर का माहौल बना है, बल्कि आम जनता में भी यह भरोसा मजबूत हुआ है कि प्रशासन नशे के खिलाफ गंभीरता से काम कर रहा है।

अवैध शराब पर शिकंजा...सूरजपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई,तस्कर गिरफ्तार

-संवाददाता-

सूरजपुर,01 मई 2026 (घटती-घटना)। अंतरराष्ट्रीय जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्ती बरतते हुए पुलिस ने शराब तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल कर दिया, सूरजपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अंग्रेजी शराब और परिवहन में प्रयुक्त कार जब्त की है।

चेकिंग के दौरान भागने की कोशिश,घेराबंदी कर पकड़ा गया- पुलिस को यह सफलता 30 अप्रैल 2026 को उस समय मिली, जब थाना रमकोला क्षेत्र में नियमित वाहन चेकिंग की जा रही थी, इसी दौरान एक संदिग्ध कार (क्रमांक CG 15 EK 0367) ग्राम दुलदुली की ओर से आती दिखाई दी। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर चालक वाहन लेकर भागने लगा, स्थिति को भांपते हुए पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर वाहन को ग्राम धुरिया के पास रोक लिया।

कार की डिक्की से मिली शराब की खेप- वाहन चालक की पहचान संजय कुमार (उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम दुलदुली) के रूप में हुई, पूछताछ के दौरान जब कार की डिक्की की तलाशी ली गई, तो उसमें सफेद बोरे में भरी अंग्रेजी शराब की पेटियां बरामद हुईं, जांच में पाया गया कि कुल 100 नग शराब का परिवहन किया जा रहा था। इसी दौरान आरोपी ने एक कार्टून जमीन पर पटक दिया, जिससे 16 नग शराब की बोतलें टूटकर नष्ट हो गईं। शेष 84 नग अंग्रेजी शराब पुलिस ने जब्त कर ली। बरामद 84 नग गोवा अंग्रेजी व्हिस्की की कीमत लगभग 10,080 रुपये आंकी गई है। आरोपी से शराब के परिवहन, बिक्री या भंडारण से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

हैवान के सेट पर अक्षय कुमार से क्यों डरते थे सब? सैयामी खेर ने खोली खिलाड़ी कुमार की पोल!

भूत बंगला के बाद प्रियदर्शन की अगली बड़ी फिल्म हैवान का सेट किसी स्टेडियम से कम नहीं है... इस फिल्म की अभिनेत्री सैयामी खेर ने प्रियंका सिंह के साथ साझा की इसके सेट की कहानी...

सेट पर जब समय हो और वह वक्त किसी खेल को खेलते हुए बीते,तो उससे मजेदार और सेहत के लिए अच्छी बात भला क्या हो सकती है। अभिनेत्री सैयामी खेर के लिए भी फिल्म हैवान का सेट कुछ ऐसा ही था। निर्देशक प्रियदर्शन निर्देशित फिल्म हैवान में सैयामी अभिनेता अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

हैवान के सेट पर अक्षय कुमार खेलते हैं गेम्स

अक्षय फिटनेट का खास ख्याल रखते हैं, सैयामी भी वैसी ही हैं। ऐसे में सेट के माहौल को लेकर वह कहती हैं कि मेरा और अक्षय सर का फिटनेस शेड्यूल अलग है, क्योंकि मैं आयरनमैन ट्रायथलौन के लिए भी तैयारी कर रही हूं। लेकिन उनके साथ मजा इसलिए आता था, क्योंकि वह कोई न कोई खेल खेलते हैं। सेट पर अगर बारिश हो रही होती थी, लाइटिंग या लंच के बाद जब शूट रुका होता था, तो हम कैच-कैच, टेबल टेनिस, क्रिकेट खेलते थे।
ये सिलसिला फिल्म के बाद भी चला, रविवार को कई बार वह अपनी बिल्डिंग में वालीबॉल खेलने के लिए बुला लेते थे। अक्षय सर बेहद प्रतिस्पर्धी हैं। वालीबाल में तो मैं उनकी ही टीम में रहती थी, लेकिन क्रिकेट में हमारी टीमें अलग होती थीं। सब उनसे डर जाते थे, क्योंकि हारने पर उन्हें गुस्सा आता था,उन्हें हारना पसंद नहीं।
खैर, खेल में यह स्पिरिट जरूरी भी है। सेट का मौहाल भी कमाल का था। प्रियदर्शन सर सुबह शूट करना पसंद करते हैं। मैं तो बचपन से सुबह उठने वालों में से रही हूं। अक्षय और सैफ सर भी सुबह समय पर पहुंच जाते थे। इस सेट

पर सब कुछ ताजगी भरा था, क्योंकि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में ऐसा होता नहीं है कि सब समय पर आ जाएं।

सेट पर अक्षय से क्या सीखा?

सेट पर अक्षय से सीखी बातों को लेकर आगे सैयामी कहती हैं कि हां, वह मेहनती और समय के पाबंद हैं। मैंने उनके साथ फिल्म में बहुत ज्यादा एक्शन तो नहीं किया है, लेकिन एक्शन को लेकर बातें खूब हुईं। सभी को पता है वह अपने स्टंट्स खुद से करते है। वह भी तब से करते आ रहे है, जब तकनीक उतनी एडवांस नहीं थी। वह ओरिजनल एक्शन स्टार हैं। उनके साथ एक एक्शन फिल्म करना चाहती हूं। वह सेट पर सबके साथ एक जैसे ही मिलते हैं, बातें करते हैं। सच कहूं, तो उनसे जमकर मेहनत करना, समय की पांबदी सीखी है।

बड़े बजट की कमर्शियल फिल्म सैयामी के करियर में कितना मायने रखती हैं?

इसे लेकर वह कहती हैं कि मेरे लिए हर फिल्म मायने रखती है। जब काम करने का मौका मिलता है, तो मैं आभारी होती हूं। इस फिल्म की बात करूं, तो अक्षय और सैफ सर टशन फिल्म के बाद एक साथ आ रहे हैं, प्रियदर्शन सर की 99वीं फिल्म हैं, इन सबको बचपन से देखा है। मैंने सैफ सर के साथ 12 साल पहले विज्ञापन किया था। इन सबके साथ जुड़ना सम्मान की बात है। बाकी मैं तो अपने हर प्रोजेक्ट से सीखती हूं।

हैवान के बारे में

हैवान 2026 की एक अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर फिल्म है जिसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान हैं, जिसे प्रियदर्शन ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म 2016 की मलयालम फिल्म ओप्पम की रीमेक है, जिसमें अक्षय कुमार विलेन का रोल निभा रहे हैं और सैफ अली खान एक अंधे आदमी का रोल निभा रहे हैं जो एक बच्चे की रक्षा करता है। यह एक्शन थ्रिलर अगस्त 2026 में रिलीज होने की उम्मीद है।

मैथिली ठाकुर ने फेक कोट्स और फोटो मिसयूज़ पर जताई आपत्ति

लोक गायिका मैथिली ठाकुर ने सोशल मीडिया पर उनके नाम से पीएम नरेंद्र मोदी के बारे में फैलाए जा रहे फ़ज़ी बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि इन पोस्ट को फैलाने के लिए उनकी फ़ोटो का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। एक वायरल दावे में झूठा आरोप लगाया गया कि

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी मोदी को गोद में लेकर खेलते थे। एक और फ़ज़ी कोट में दावा किया गया कि उन्होंने कहा, माँ मुझसे कहती थीं कि जब तुम मेरे पेट में थे, तो मेरे पेट से आवाज़ें आती थीं मोदी, मोदी, मोदी। इसीलिए आज मैं बीजेपी में हूँ। मोदी जी भगवान हैं। हालाँकि, मैथिली ठाकुर के इन बयानों का कोई रिकॉर्ड नहीं है। मैथिली ठाकुर ने ऑनलाइन वायरल पीएम मोदी के फ़ज़ी बयानों पर प्रतिक्रिया दी अपने एक्स (पहले ट्विटर) पर बात करते हुए, 25 साल की सिंगर ने लिखा, मुझे बदनाम करने के लिए इस तरह के हताश पीआर स्टंट का इस्तेमाल होते देखना बहुत निराशाजनक है। मेरे नाम पर फ़ज़ी बयान पोस्ट करना और मेरी फ़ोटो का गलत इस्तेमाल करना बंद करो, तुम कितना नीचे गिर सकते हो? मैं रिएक्ट नहीं करना चाहती थी लेकिन बहुत हो गया।

मैथिली ठाकुर कौन हैं?

मैथिली एक पॉपुलर प्लेबैक सिंगर हैं जिन्होंने इंडियन क्लासिकल और फोक म्यूजिक में ट्रेनिंग ली है। उनका जन्म बिहार के मधुबनी जिले के बेनीपट्टी में रमेश ठाकुर और भारती ठाकुर के घर हुआ था, जो दोनों मैथिल म्यूजिशियन और दिल्ली में म्यूजिक टीचर हैं। कहा जाता है कि क्लास 5 तक उन्होंने होमस्कूलिंग की, बाद में लगभग 12 या 13 साल की उम्र में उन्होंने एमसीडी स्कूल जॉइन कर लिया।

मोहनलाल-ममूटी की परफॉर्मेंस ने जीता दिल... फिर कहां दर्शकों को निराश कर गई एक्शन थ्रिलर?

जब मलयालम इंडस्ट्री के दो बड़े एम एक नई फिल्म के लिए फिर से साथ आते हैं, तो आप पक्का मान सकते हैं कि दर्शक उसे देखने जरूर आएंगे। पैट्रियट फिल्म जिसमें मोहनलाल और ममूटी मुख्य भूमिकाओं में हैं; 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि 13 साल बाद वे पहली बार किसी फिल्म में एक साथ अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।
फिल्म में एक कर्नल और एक डॉक्टर की भूमिका निभा रहे हैं। 100 करोड़ रुपये से ज्यादा के बजट वाली यह फिल्म, अपनी स्टार पावर और विरासत की बदौलत बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करती है यह तो आगे पता लच ही जाएगा लेकिन फिलहाल दर्शकों को यह कैसी लेगी

पेट्रियट के बारे में

महेश नारायणन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ममूट्टी एक रिटायर्ड जेएडी ऑफिसर,डैनियल जेम्स,उर्फ विमथन का किरदार निभा रहे हैं, जिन्हें पहले किसी साजिश में फंसाया गया था। अब उन्हें मोहनलाल के किरदार, कर्नल रहीम नाइक के साथ मिलकर एक सर्विलांस से जुड़ी समस्या का पता लगाना है,जो जल्द ही एक बहुत बड़ी साजिश के रूप में सामने आती है। जब देश की सुरक्षा दांव पर होती है,तो इन दोनों को मिलकर अपराधियों का पर्दाफाश करना होता है,उनके ऑपरेशन को रोकना होता है, और विमथन पर लगे आरोपों को हटाकर उनका नाम साफ करना होता है। इन दो बड़े सितारों के अलावा, पैट्रियट की स्टारकास्ट में फहद फासिल,कुंचाको बोबन,नयनतारा और रेवती भी शामिल हैं।

पेट्रियट एक्स रिव्यू

फिल्म के रिलीज होते ही मोहनलाल और ममूटी के फैंस, थिएटर में उमड़ पड़े और उन्होंने फर्स्ट-डे, फर्स्ट-शो के टिकट बुक किए,तो उन्होंने सोशल मीडिया पर जाकर अपनी राय भी जाहिर की। फिल्म को लेकर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आईं, जहां कई लोगों ने इसकी मास अपील की तारीफ की,वहीं कुछ लोगों ने इसके निर्देशन की आलोचना की,और साथ ही इस बात पर भी नाराजगी जाहिर की कि फिल्म के पहले हाफ में मोहनलाल का रोल काफी कम था। एक ने लिखा, पैट्रियोट सिर्फ एक फिल्म नहीं है बल्कि एक ऐतिहासिक सिनेमैटिक इवेंट है, ये थ्रिलर ममूटी और मोहनलाल को रीयूनाइट करती है लगभग दो दशकों के बाद और रिजल्ट एक दम फायर है।एक ने लिखा, बेहतरीन परफॉर्मेंस के साथ एक पावरफुल पैट्रियोटिक स्टोरी। ममूटी बतौर हीरो और मोहनलाल मोहनलाल ने हर एक सीन को शानदार बना दिया है। बीजीएम बढ़िया और फहद फासिल ने भी अच्छा काम किया है। एक दर्शक ने लिखा, पैट्रियट का फर्स्ट हॉफ काफी दिलचस्प है, ये एक स्लो बर्न थ्रिलर है, बिना किसी एलिवेशन मूमेंट के। इंटरवल का पंच भी शानदार था लेकिन हां मोहनलाल फर्स्ट हाफ में नहीं दिखते हैं। पैट्रियट मूवी एक एवरेज फिल्म है, ममूटी और मोहनलाल ने बेहतरीन काम किया है लेकिन राइटिंग थोड़ी और बेहतर हो सकती थी। देख सकते हैं लेकिन कुछ यादगार नहीं है।

धर्म और शादी पर रीम शेख का बयान,सोशल मीडिया पर चर्चा तेज

रीम शेख किसी नए शो के लिए नहीं, बल्कि रिश्तों और शादी पर अपनी बेबाक और गहरी पर्सनल राय के लिए सुर्खियों में हैं। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और वर्सेटिलिटी के लिए जानी जाने वाली, इस यंग एक्ट्रेस ने हाल ही में एक पॉडकास्ट बातचीत के दौरान प्यार, विश्वास और कम्पैटिबिलिटी पर अपने विचार शेयर किए, जिसमें उन मान्यताओं की एक झलक दी जो उनकी ज़िंदगी को गाइड करती हैं।
जब उनसे पूछा गया कि क्या किसी दूसरे धर्म के व्यक्ति से प्यार करने से चीजें मुश्किल हो जाएंगी, तो रीम ने साफ जवाब दिया। शार्दुल पंडित के साथ एक पॉडकास्ट पर बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं बहुत धार्मिक इंसान हूं,यह बात शायद लोगों को पता न हो, लेकिन मैं दिन में पांच बार नमाज़ पढ़ती हूं। इस वजह से, मुझे नहीं लगता कि मैं किसी दूसरे धर्म के व्यक्ति से शादी कर पाऊंगी। इस बात पर ज़ोर देते हुए कि स्पिरिचुअलिटी उनकी ज़िंदगी के लिए कितनी ज़रूरी है, उन्होंने कहा कि उनकी रोज़ की प्रैक्टिस और विश्वास से जुड़ाव उनके फैसलों को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।
रीम ने आगे बताया कि कैसे उनकी मान्यताएं उनके लॉन्ग-टर्म रिलेशनशिप के आइडिया पर असर डालती हैं। उन्होंने कहा,जब भी मेरी ज़िंदगी में कुछ गलत होता है, तो सबसे पहले मैं भगवान की शरण में जाती हूँ। मैं अपनी ज़िंदगी ऐसे किसी इंसान के साथ नहीं बिता पाऊँगी जो मेरे धर्म को नहीं मानता,÷ साथ ही उन्होंने यह भी माना कि उनके विचारों से अलग राय आ सकती है।

राजा शिवाजी' में सलमान खान का कैमियो वायरल थिएटर में फैंस का जोरदार रिएक्शन

रितेश देशमुख की मच-अवेटेड फिल्म राजा शिवाजी आखिरकार शुक्रवार,1 मई को थिएटर में आ गई। छत्रपति शिवाजी महाराज की जिंदगी पर बनी यह फिल्म आज रिलीज़ हुई, तो जिन एक्साइटेड फैंस ने इसके शुरुआती शो देखे,उन्होंने सोशल मीडिया पर सुपरस्टार सलमान खान के सरप्राइज़ कैमियो के क्लिप शेयर किए,जिसने अब ऑनलाइन ज़बरदस्त बज़ बना दिया है। सिनेमा हॉल के कई वीडियो में भी दर्शकों को ज़ोर-ज़ोर से चीयर करते और सीटियाँ बजाते हुए दिखाया गया,जब सुपरस्टार रितेश के साथ स्क्रीन पर दिखे। वायरल वीडियो में सलमान जीवा महाला के रोल में शिवाजी के बॉडीगार्ड का दमदार कैमियो करते हुए दिख रहे हैं। फैंस द्वारा शेयर किए गए क्लिप में 60 साल के एक्टर नारंगी पगड़ी और कुर्ता पहने,हाथ में तलवार लिए ज़बरदस्त एंट्री करते दिख रहे हैं। वह मूंछें रखे हुए हैं और माथे पर तिलक लगाए हुए हैं,और रितेश के साथ खड़े हैं,जो फिल्म में छत्रपति शिवाजी महाराज का रोल कर रहे हैं,और मराठी में दमदार डायलॉग बोल रहे हैं। जैसे ही सलमान खान ने राजा शिवाजी में एंट्री की,थिएटर में दर्शक ज़ोरदार चीयर और तालियाँ बजाने लगे। फ़ैन्स ने फिल्म में उनकी परफ़ॉर्मेंस की भी तारीफ़ की। एक्स पर एक यूज़र ने लिखा,राजा शिवाजी में कैमियो में सलमान खान की स्क्रीन प्रेज़ेंस बहुत बड़ी है. उन्होंने सच में कमाल कर दिया। एक और ने लिखा,छत्रपति शिवाजी में जीवा महल के रोल में सलमान खान। रितेश देशमुख ने इसमें सलमान खान की इंटेंस स्क्रीन प्रेज़ेंस को सच में उभारा है...क्या ज़बरदस्त कैमियो है...

खेल समाचार

राजस्थान के खिलाफ मैच में पूरी तरह बदली दिल्ली की प्लेइंग 11

मिचेल स्टार्क की एंट्री,मिलर का पत्ता कटा

जयपुर,01 मई 2026। राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के 43वें मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया है। आरआर की कोशिश सवाई मानसिंह स्टेडियम में जारी इस मैच को जीतकर प्वाइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल करने की होगी। खास बात यह है कि दिल्ली कैपिटल्स की टीम में इस मैच के लिए मिचेल स्टार्क की वापसी हुई है।

राजस्थान ने किया बैटिंग का फैसला

टॉस जीतने के बाद आरआर के कप्तान रियान पराग ने कहा,हम पहले बल्लेबाजी करेंगे। यह जयपुर

का आम विकेट नहीं है, इसमें थोड़ा सूखापन है और यह पैची दिख रहा है। उम्मीद है कि दूसरी पारी में यह स्लो हो जाएगा। बतौर टीम 228 रन चेज करने का अनुभव हमेशा काम आता है। हर कोई आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठा रहा है। हमने अभी तक पूरे 40 ओवर का क्रिकेट नहीं खेला है उम्मीद है कि आज हम पूरा दम दिखाएंगे। रवि बिश्नोई टीम में आए हैं और शुभम (दुबे) भी टीम में हैं।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम में स्टार्क की एंट्री

दूसरी तरफ डीसी के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा, हमारी प्लेइंग इलेवन में 3 बदलाव हुए हैं। (मिचेल) स्टार्क खेल रहे हैं,(दुष्मंथा) चमीरा नहीं खेल रहे हैं। पथुम (निसांका) खेल रहे हैं, जिसका मतलब है कि डेविड मिलर बाहर बैठेंगे। अशोक शर्मा टीम में हैं। विकेट अच्छा दिख रहा है और हम चेज करने में खुश हैं। बेसिक्स पर वापस लौटना जरूरी है। चीजों को बदलने के लिए आपको वर्तमान में रहना होगा सकारात्म चीजों पर ध्यान देना होगा।

कैसी है पॉइंट्स टेबल में हालत?

राजस्थान रॉयल्स ने इस सीजन 9 में से 6 मुकाबले जीते हैं। शुरुआती 4 मुकाबले जीतने के बाद यह टीम अगले पांच में से 3 मैच गंवा बैठी। फिलहाल आरआर प्वाइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर है। इस मुकाबले में जीत आरआर को प्वाइंट्स टेबल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद से ऊपर पहुंचा देगी।
दूसरी तरफ,दिल्ली कैपिटल्स 8 में से 5 मैच गंवाकर प्वाइंट्स टेबल में सातवें पायदान पर है। शुरुआती 2 मुकाबले जीतने के बाद डीसी ने अगले 6 में से 5 मैच गंवा दिए थे। कैपिटल्स एक बार फिर जीत की लय वापस हासिल करना चाहेगी।
दिल्ली कैपिटल्स की प्लेइंग इलेवन÷ केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल (कप्तान), आशुतोष शर्मा, काइल जैमीसन, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव और टी नटराजन।
राजस्थान रॉयल्स की प्लेइंग इलेवन:-यशस्वी जयसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग (कप्तान), डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, शुभम दुबे, जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई, नंद्रे बर्गर और ब्रजेश शर्मा।

पंजाब सरकार के फैसले पर सवाल,हरभजन सिंह पहुंचे हाई कोर्ट

चंडीगढ़ ,01 मई 2026। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है। उन्होंने आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार के उनके सिक्योरिटी कवर को वापस लेने के फैसले को चुनौती दी है। इस कदम से राजनीतिक विवाद और कानूनी जांच शुरू हो गई है। यह

घटनाक्रम पंजाब पुलिस द्वारा सिंह की सिक्योरिटी वापस लेने के कुछ दिनों बाद हुआ है, ऐसा कहा जा रहा है कि आप छोड़कर बीजेपी में शामिल होने के तुरंत बाद। रिपोर्ट्स के मुताबिक,इस फैसले से सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं, खासकर उनके घर के पास विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद, जिसमें सिक्योरिटी हटाए जाने के तुरंत बाद तोड़फोड़ और धमकी भरे ग्रैफिटी के आरोप सामने आए।
अपनी याचिका में,हरभजन सिंह ने वापसी को मनमाना बताया है और आरोप लगाया है कि यह बिना किसी नए खतरे के आकलन या पहले से सूचना दिए किया गया था। उन्होंने यह भी दावा किया है कि यह कदम राजनीति से प्रेरित था और इससे वह और उनका परिवार असुरक्षित हो गया। याचिका में उनके सिक्योरिटी कवर को बहाल करने की मांग की गई है और अचानक लिए गए फैसले के पीछे के कारण पर सवाल उठाया गया है।मामले का संज्ञान लेते हुए,पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया और अधिकारियों को इस बीच सिंह और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने सरकार से यह भी साफ़ करने को कहा है कि सिक्योरिटी कवर किस आधार पर वापस लिया गया था और क्या सही प्रोसेस फॉलो किए गए थे। आने वाले दिनों में इस केस की आगे सुनवाई होने की उम्मीद है। जैसे-जैसे यह मामला अब कोर्ट में आगे बढ़ रहा है, यह केस पॉलिटिक्स, पर्सनल सिक्योरिटी और ड्यू प्रोसेस के मेल को दिखाता है, और हाई कोर्ट का आखिरी फैसला पब्लिक फिगर्स से जुड़े ऐसे ही मामलों में एक अहम मिसाल कायम कर सकता है।

कॉमनवेल्थ 2030 में क्यू स्पोर्ट्स शामिल हों

नई दिल्ली,01 मई 2026। चैंपियन सौरव कोठारी ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 में क्यू स्पोर्ट्स को शामिल करने की जोरदार अपील की है। यह बयान उन्होंने आयरलैंड के कार्लो में पंकज आडवाणी को फाइनल में हराकर खिताब जीतने के कुछ घंटों बाद दिया। इस जीत के साथ 41 वर्षीय कोठारी ने एकतरफा मुकाबले में 17 बार के वर्ल्ड चैंपियन पंकज आडवाणी को हराकर अपना दूसरा विश्व खिताब हासिल किया। कोठारी ने कहा कि बिलियर्ड्स और स्नूकर जैसे क्यू स्पोर्ट्स में भारत का प्रदर्शन लंबे समय से मजबूत रहा है, लेकिन मल्टी-डिसिप्लिन इवेंट्स में इन खेलों की गैर मौजूदगी से देश की मेडल संभावनाओं पर असर पड़ता है। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में इस खेल को शामिल करने की मांग करते हुए कहा कि इससे भारत की मेडल टैली में बड़ा इजाफा हो सकता है।

जेएससीए ने सात साल के लिए झारखंड टी 20 क्रिकेट लीग को विकसित करने हेतु एसजे अपलिफ्ट को अपने साथ जोड़ा

नोएडा,01 मई 2026। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से जुड़ी झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन ने झारखंड टी 20 क्रिकेट लीग को डेवलप करने के लिए एसजे अपलिफ्ट की नियुक्ति की घोषणा की है। यह पार्टनरशिप सात साल के लिए होगी और इसकी शुरुआत पहले सीज़न से होगी, जिसमें छह फ्रेंचाइजियाँ शामिल होंगी। एसजे अपलिफ्ट झारखंड प्रीमियर लीग का नेतृत्व पूरी तरह से ऑपरेशनल और कमर्शियल ज़िम्मेदारी के साथ करेगा,और सभी सीज़नों में इसके एग्ज़ीक्यूशन की देखरेख करेगा। इस भूमिका में फ्रेंचाइज़ी इकोसिस्टम को बनाना और उसका विस्तार करना, स्पॉन्सरशिप और मीडिया अधिकारों के ज़रिए रणनीतिक कमर्शियल पार्टनरशिप को बढ़ावा देना,और लीग के ब्रांड डेवलपमेंट और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी के विस्तार को आकार देना शामिल होगा। संरचित टी20 लीग बनाना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री का अधिकारियों को दो टूक निर्देश...लोगों की सुनें, लोगों को सुनाएं नहीं

आम जनता से शालीनता से पेश आएं अधिकारी : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर,01 मई 2026। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रशासनिक व्यवस्था को जनकेंद्रित और संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से शासकीय अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए हैं कि वे आमजन के साथ शालीनता, धैर्य और सम्मान के साथ व्यवहार करें। उन्होंने दो टूक कहा कि मुख्यालय और फील्ड स्तर पर शासकीय अधिकारी ही शासन का चेहरा होते हैं, इसलिए उनका आचरण शासन की छवि को प्रभावित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को सुनना प्रशासनिक अधिकारियों का पहला कर्तव्य है। उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि वे जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और समाधान पर केंद्रित रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि संवाद तभी सार्थक है,जब उसमें संवेदना और समस्याओं का समाधान करने की नीयत हो। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभागों में जनसमस्याओं के निराकरण को प्रभावी, सरल और भरोसेमंद बनाया जाए। जब कोई आम नागरिक किसी शासकीय कार्यालय पहुंचे, तो उसे यह महसूस होना चाहिए कि उसकी बात सुनी जा रही है और

उसके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सकारात्मक अनुभव ही जनता के मन में विश्वास पैदा करता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि योजनाओं की सफलता केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर लोगों के अनुभव से मापी जाती है। इसलिए अधिकारी फील्ड में सक्रिय रहें,लोगों से सीधे संवाद करें और उनकी वास्तविक जरूरतों के अनुरूप कार्य करें। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता और तत्परता ही प्रशासन की असली ताकत है। उन्होंने अधिकारियों से पारदर्शिता और जवाबदेही को अपने कार्य का मूल आधार बनाने की अपेक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता का विश्वास सबसे बड़ी पूंजी है,जिसे बनाए रखने के लिए ईमानदारी के साथ-साथ व्यवहार में शालीनता और विनम्रता भी जरूरी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सुशासन केवल नीतियों से नहीं,बल्कि व्यवहार से स्थापित होता है। यदि अधिकारी जनता के साथ सरल, सहज,सहयोगात्मक और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण का तरीका हर समय अपनाते हैं,तो प्रशासन स्वयमेव अधिक प्रभावी हो जाता है और शिकायतों की संख्या स्वतः कम होने लगती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का सपना तभी साकार होगा, जब प्रशासन हर नागरिक के लिए सुलभ, संवेदनशील और सम्मानजनक बने। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे इस भावना को अपने कार्य का मूल मंत्र बनाकर आगे बढ़ें और हर व्यक्ति को यह अहसास दिलाएं कि सरकार उसके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट किया कि सुशासन तिहार के दौरान वे स्वयं विभिन्न क्षेत्रों में आकस्मिक निरीक्षण करेंगे और अधिकारियों के कार्य के साथ-साथ उनके व्यवहार पक्ष का भी अवलोकन करेंगे।उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के दौरान अधिकारियों की संवेदनशीलता,शालीनता और जवाबदेही को प्राथमिकता के साथ परखा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए 'सुशासन तिहार 2026' का आयोजन 1 मई से 10 जून तक प्रदेशभर में किया जा रहा है,जिसके अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर समाधान शिविर लगाए जाएंगे।इस दौरान पंचायत एवं वार्ड स्तर पर शिविरों में आवेदन स्वीकार कर जनसमस्याओं का निराकरण किया जाएगा। सुशासन तिहार में जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रहेगी तथा स्वयं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा औचक निरीक्षण और जनसमस्याओं के निराकरण और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी।

बिलासपुर में गोमांस तस्करी करते मां-बेटी गिरफ्तार

सूटकेस से 10 किलो प्रतिबंधित मांस बरामद

बिलासपुर,01 मई 2026। शहर में अवैध मांस तस्करी के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। तोरवा थाना पुलिस ने रेलवे स्टेशन के पास कार्रवाई करते हुए ट्रॉली बैग में मांस छिपाकर ले जा रही मां-बेटी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 10 किलोग्राम प्रतिबंधित मांस बरामद किया गया है। पुलिस को आशंका है कि दोनों किसी संगठित गिरोह के लिए 'कूरियर' के रूप में काम कर रही थीं। गुरुवार रात गश्त के दौरान तोरवा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दो महिलाएं संदिग्ध हालत में ट्रॉली बैग लेकर रेलवे स्टेशन से बाहर निकल रही हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रजनीश सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर दोनों महिलाओं को हिरासत में ले लिया।

रायपुर से लाई गई थी खेप

पकड़ी गई महिलाओं की पहचान रेहाना परवीन बानो (47 वर्ष) और अलीजा रजा (20 वर्ष) के रूप में हुई है, जो मगरपारा की निवासी हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि दोनों रायपुर से ट्रेन के जरिए बिलासपुर पहुंची थीं। तलाशी के दौरान ट्रॉली बैग में पॉलीथीन में लिपटा हुआ मांस मिला, जिसे मौके पर मौजूद गवाहों ने प्रतिबंधित मांस बताया।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में हिंदू संगठन के सदस्य तोरवा थाने पहुंच गए और विरोध दर्ज कराया। उन्होंने इस अवैध गतिविधि पर सख्त कार्रवाई और इसके पीछे के मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।

पुलिस जांच में जुटी : सिटी कोतवाली के सीएसपी गगन कुमार ने बताया कि सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। मांस की उत्पत्ति और सप्लाई नेटवर्क की जांच की जा रही है। मामले में अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर इस पूरे नेटवर्क और इसके मास्टरमाइंड तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

छत्तीसगढ़ में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल 20 परिवहन अधिकारियों का तबादला

रायपुर,01 मई 2026। छत्तीसगढ़ शासन के परिवहन विभाग द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राज्य के विभिन्न परिवहन अधिकारियों का तत्काल प्रभाव से अस्थायी रूप से स्थानांतरण किया गया है। इस आशय का आदेश आज परिवहन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से जारी किया गया है। जारी आदेश के तहत क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ), सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) तथा अन्य अधिकारियों को उनके वर्तमान पदस्थापना स्थान से हटाकर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इनमें प्रमुख रूप से कोरबा,धमतरी, कबीरधाम,जांजगीर-चांपा,रायगढ़,कांकेर,राजनांदगांव,बेमेतरा, सूरजपुर,गरियाबंद,जशपुर सहित कई जिलों में पदस्थ अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। राज्य शासन ने निर्देश दिया है कि सभी संबंधित अधिकारी अपने नवीन पदस्थापना स्थल पर अधिकतम 10 दिनों के भीतर कार्यभार ग्रहण करें। निर्धारित समयावधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करने की स्थिति में संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गरियाबंद में 36 घंटे में तीसरी बार भूकंप के झटके,इलाके में दहशत का माहौल

गरियाबंद,01 मई 2026। देवभोग इलाके में लगातार आ रहे भूकंप के हल्के झटकों ने ग्रामीणों की नींद और सुकून दोनों छीन लिए हैं। शुक्रवार दोपहर करीब 2:20 बजे एक बार फिर धरती हल्की कांपी, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए और खुले स्थानों पर इकट्ठा हो गए। बीते 36 घंटों में यह तीसरी बार है जब इलाके में कंपन महसूस किया गया है, जिससे डर का माहौल लगातार गहराता जा रहा है। इससे पहले गुरुवार शाम करीब 7:20 बजे भी इसी तरह के झटके महसूस किए गए थे, जबकि एक दिन पहले आए झटकों की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 0.7 दर्ज की गई थी, जो तकनीकी रूप से बेहद हल्की मानी जाती है, लेकिन लगातार दोहराव ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों में भय साफ देखा जा रहा है, कई परिवार रात के समय घरों से बाहर ही समय बिताने को मजबूर हैं। अभी तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन बार-बार हो रही इस भूगर्भीय हलचल ने लोगों को असमंजस में डाल दिया है।

सचिव की कलेक्टरों को दो टूक

अवैध रेत खनन पर सख्ती से हो कार्रवाई,सीएम के निर्देशों के पालन में लापरवाही पर कलेक्टर होंगे जिम्मेदार

रायपुर,01 मई 2026। छत्तीसगढ़ सरकार सुशासन और पारदर्शिता के अपने संकल्प के अनुरूप कार्य करते हुए खनिजों के अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर सख्ती से अमल कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि राजस्व क्षति और अवैध गतिविधि से जुड़े किसी भी मामले में कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। साथ ही उन्होंने आम लोगों को उचित दरों पर रेत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर खनिज विभाग लगातार सक्रिय है और समय-समय पर इसकी समीक्षा भी की जा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री के सचिव सह खनिज विभाग के सचिव पी. दयानंद ने 30 अप्रैल 2026 को प्रदेश में रेत आपूर्ति करने वाले प्रमुख 11 जिलों रायपुर, बिलासपुर, बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, सक्ती, महासमुंद, गरियाबंद, धमतरी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-बैकुंठपुर, बलरामपुर और कांकेर के कलेक्टरों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक लेकर खदानों के संचालन की गहन समीक्षा की। उन्होंने दो टूक कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए। अवैध खनन और परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होने की स्थिति में संबंधित कलेक्टरों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि प्रदेश में रेत की आपूर्ति में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। सभी स्वीकृत रेत खदानों से उनकी क्षमता के अनुरूप उत्पादन सुनिश्चित किया जाए और आम जनता को रेत उचित दरों पर उपलब्ध हो। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को रॉयल्टी मुक्त रेत उपलब्ध कराने के आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि इसकी आड़ में अवैध खनन को बढ़ावा न मिले।

बिलासपुर में ईडी का छापा....कारोबारी के ठिकानों से 17 किलो सोना और तीन करोड़ के हीरों का हार जब्त

बिलासपुर,01 मई 2026। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई तेज हो गई है। ईडी की टीम ने गुरुवार को बिलासपुर में सराफा कारोबारी विवेक अग्रवाल के घर और दुकान पर दबिश दी। सूत्रों के अनुसार, दिनभर चली इस छापेमारी कार्रवाई में टीम को भारी मात्रा में कीमती सामान बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि छापे के दौरान करीब 17 किलो सोना, करीब 3 करोड़ रुपये के हीरों के हार और बड़ी मात्रा में नकदी मिली है।

जानकारी के मुताबिक, विवेक अग्रवाल फरार चल रहे वांटेड आरोपी विकास अग्रवाल के भाई हैं। विकास अग्रवाल को इस मामले में अहम कड़ी माना जा रहा है और वह मुख्य आरोपी अनवर ढेबर का करीबी बताया जाता है। ईडी की यह कार्रवाई शराब घोटाले की जांच में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। फिलहाल एजेंसी पूरे मामले में बरामद दस्तावेजों और संपत्तियों की जांच कर रही

है, जिससे आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

ईडी की टीम गुरुवार तड़के विवेक अग्रवाल के मैग्नेटो मॉल के पीछे स्थित घर पर पहुंची। अचानक हुई इस कार्रवाई से किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। अधिकारियों ने घर के सभी एंट्री गेट को सील कर दिया और सुरक्षा के लिहाज से सीआरपीएफ के जवानों को तैनात कर दिया। घर के अंदर दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की गहन जांच चलती रही। वहीं, दूसरी टीम विवेक अग्रवाल के सदर बाजार स्थित श्रीराम ज्वेलर्स भी पहुंची। टीम यहां दुकान के स्टॉक, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड और निवेश से जुड़े दस्तावेजों की जांच करती रही।

विकास और उसके भाई की मदद से वसूली करता था ढेबर

शराब घोटाले का सिंडिकेट बनाने वाले कारोबारी अनवर ढेबर ने अपने बेहद करीबी विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू को भी सिंडिकेट में शामिल किया था। कमीशन के इन पैसों को अनवर विकास अग्रवाल और उसके भाई विवेक अग्रवाल की मदद से लेता था। विकास अग्रवाल और विवेक अग्रवाल शराब दुकानों से पैसा वसूलने का काम करते थे। विवेक अग्रवाल का बिलासपुर में ज्वेलरी का कारोबार है। उसका भाई विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू जेल में बंद शराब कारोबारी अनवर ढेबर का करीबी माना जाता है और वह चार साल से फरार है। उसे कोर्ट ने इस वजह से वांटेड घोषित कर रखा है।

विकास अग्रवाल की ईडी कर रही तलाश

इस पूरी रेड का सबसे बड़ा लिंक विवेक अग्रवाल के भाई विकास अग्रवाल से जुड़ा है। विकास अग्रवाल शराब घोटाले के सिंडिकेट का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है। विकास पर आरोप है कि वह इस घोटाले के नेटवर्क में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा था। घोटाले की जांच शुरू होने के बाद से ही विकास अग्रवाल फरार चल रहा है,जिसकी तलाश में ईडी की टीम लगातार छापेमारी कर रही है। ईडी को आशंका है कि फरार विकास अग्रवाल के निवेश और वित्तीय लेनदेन का हिसाब उसके भाई विवेक अग्रवाल के व्यापारिक प्रतिष्ठानों में छिपा हो सकता है। अधिकारियों की नजर अब उन बेनामी संपत्तियों और ज्वेलरी निवेश पर है,जो पिछले कुछ वर्षों के भीतर किए गए हैं।

असिस्टेंट कमांडेंट के बेटे ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

भिलाई,01 मई 2026। भिलाई में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल परिसर नेहरू नगर के वार्ड 60 में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां फर्स्ट बटालियन में पदस्थ असिस्टेंट कमांडेंट संतोष कुमार झरिया के 20 वर्षीय पुत्र आयुष झरिया ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना गुरुवार 30 अप्रैल की शाम लगभग 7 बजे से 10 बजे के बीच की बताई जा रही है। घटना के समय घर में कोई भी परिजन मौजूद नहीं था,जिससे समय पर किसी को इसकी जानकारी नहीं मिल सकी। जानकारी के अनुसार, मृतक के पिता संतोष कुमार झरिया उस समय विधानसभा ड्यूटी पर थे, जबकि उनकी पत्नी और बेटी गांव गए हुए थे। इसी दौरान घर में अकेले मौजूद आयुष ने यह कदम उठाया। जब परिवार के सदस्य वापस पहुंचे तो घटना का पता चला, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही स्मृति नगर पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और

घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, जिससे मामला और भी संदिग्ध और संवेदनशील बन गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। फिलहाल पुलिस परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि युवक ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया। साथ ही, उसके मोबाइल और अन्य निजी वस्तुओं की भी जांच की जा रही है। घटना के बाद पूरे परिवार और क्षेत्र में शोक का माहौल है। बताया जा रहा है कि आयुष झरिया सामान्य रूप से परिवार के साथ रहता था और उसकी किसी तरह की गंभीर समस्या की जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी हर पहलू से मामले की जांच कर रहे हैं, जिसमें मानसिक स्थिति, पारिवारिक परिस्थितियां और अन्य व्यक्तिगत कारणों की भी जांच शामिल है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया 1 मई शनिवार को पूरी की जाएगी, जिसके बाद शव को गृहग्राम मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के लिए रवाना किया जाएगा। वहां पर परिजनों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस घटना ने पुलिस और सुरक्षा बल परिवारों में भी चिंता बढ़ा दी है।

अब आईएएस अधिकारी की पत्नी लिफ्ट में फंसीं,दो हफ्तों में यह दूसरी घटना लिफ्ट सुरक्षा पर उठने लगे सवाल

रायपुर,01 मई 2026। राजधानी की कमर्शियल बिल्डिंग्स में लगे लिफ्ट की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। करेंसी टॉवर की घटना के बाद अब गुरुवार सुबह फाफाडीह स्थित पिथालिया कॉम्प्लेक्स में एक और मामला सामने आया, जहां एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी की पत्नी लिफ्ट में फंस गईं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार, आईएएस अधिकारी सिद्धार्थ कोमल परदेशी की पत्नी गार्गी परदेशी सुबह करीब 8 बजे जिम जाने के लिए लिफ्ट से ऊपर जा

रही थीं। इसी दौरान अचानक लिफ्ट तकनीकी खराबी के चलते बंद हो गई। कुछ समय तक लिफ्ट में फंसे रहने से वे घबरा गईं। बाद में परिवार और नगर निगम को इसकी सूचना दी गई। नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सूचना मिलते ही जोन क्रमांक-2 की टीम को मौके पर भेजा गया।

जनगणना ड्यूटी से गायब 44 कर्मचारियों को निगम का नोटिस

रायपुर,01 मई 2026। नगर निगम आयुक्त एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी विश्वदीप ने जनगणना 2027 के कार्यों में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर सख्त रुख अपनाया है। विभिन्न विभागों के 44 कर्मचारी प्रशिक्षण और ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए, जिसके बाद सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। प्रशासन के अनुसार, जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में बाधा डालने और निर्देशों की अवहेलना को गंभीरता से लिया गया है। नगर निगम रायपुर के उपायुक्त जनगणना जसदेव सिंह बाबरा ने स्पष्ट किया कि जनगणना कार्य से इंकार करना या इसमें बाधा डालना जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 11(1)(क) के तहत दंडनीय अपराध है। उन्होंने बताया कि संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ राज्य सिविल सेवा आचरण नियमों के तहत अलग से अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा रही है।

दिखावे के लिए बुलाया गया विशेष सत्र : पायलट

कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर भाजपा के पाखंड को करेंगे बेनकाब

रायपुर,01 मई 2026। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट की रायपुर के राजीव भवन में विधायकों के साथ बैठक खत्म हो गई है। इसके बाद प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट दिल्ली रवाना हो गए। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि संगठन सृजन के तहत नए अध्यक्ष बनाए गए हैं। हमारे विधायकों की संगठन में अलग भूमिका है, इसलिए उनसे मुलाकात की गई। आने वाले समय में सरकार को घेरने और राजनीतिक चुनौतियों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने यह भी कहा कि विशेष सत्र केवल दिखावे और झूठ को आगे बढ़ाने के लिए बुलाया गया था, जिसकी सच्चाई को सामने लाने की तैयारी की जा रही है। साथ ही उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता पूरे छत्तीसगढ़ में घर-घर जाकर लोगों से मिलेंगे। सचिन पायलट ने शुक्रवार को विधायकों के साथ बैठक की। इस दौरान वे हर विधायक से करीब

15 मिनट तक वन-टू-वन चर्चा कर संगठन की स्थिति के साथ-साथ उनके विधानसभा क्षेत्र की ग्राउंड रिपोर्ट लिया। चुनाव में अभी करीब ढाई साल का वक्त है, लेकिन पार्टी ने अभी से विधायकों का रिपोर्ट कार्ड तैयार करना शुरू कर दिया है। बैठक में दीपक बैज और चरणदास महंत भी मौजूद रहे।

महिला बिल को लेकर भ्रम दूर करने पर हुई चर्चा : बैठक को लेकर कांग्रेस विधायक संगीता सिन्हा ने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया कि प्रदेश प्रभारी के साथ महिला सशक्तिकरण बिल और उससे जुड़े भ्रम को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को इस विषय की पूरी जानकारी है या नहीं, इस पर भी बात हुई और आम लोगों तक सही संदेश पहुंचाने की रणनीति पर जोर दिया गया। संगीता सिन्हा ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस 33 प्रतिशत आरक्षण के विरोध में नहीं है, बल्कि इसे लेकर फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करना जरूरी है। वहीं, महिला कांग्रेस अध्यक्ष पद की दावेदारी को लेकर उन्होंने कहा कि पार्टी जो भी फैसला करेगी, वह पूरी तरह स्वीकार्य होगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)